संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 94
पृष्ठ 8
रविवार
22 दिसम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- शरीर में दिखे ये लक्षण ....   विचार- अंबेडकर के प्रति नफरत....   खेल- भारत ने वेस्टइंडीज को ....

केजीएमयू स्थापना दिवसः सीएम योगी बोले-

पैसे की कमी नहीं, सेवाओं को बेहतर करने के बारे में सोचें, करें अच्छा व्यवहार

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शनिवार को केजीएमयू के 120वां स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीएम योगी आदित्यनाथ शामिल हुए। इस मौके पर सीएम ने छात्र-छात्राओं को सम्मानित भी किया।

सीएम ने कहा कि केजीएमयू से पढ़कर निकले छात्रों ने गौरव बढ़ाया। काल का प्रवाह किसी का इंतजार नहीं करता है। 1905 में जब इसकी स्थापना की बात हुई तो उस समय 10 लाख रुपये में शुरू हो गया था। कहा कि आज इसका दायरा डेढ़ सौ एकड़ के क्षेत्र में होने जा रहा है। देश में बहुत कम संस्थानों में इतनी सीटें हैं। सीएम ने कहा कि व्यक्ति और संस्थान की पहचान संकट के समय होती है। चुनौती आने पर बहुत लोग मैदान छोड़ देते हैं। वह समय होता है, जब व्यक्ति को निर्णय लेना होता है। उस समय चुनौती को स्वीकार करने वाला निखरता है। भागने वाला बिखर जाता है। हमें संस्थान और स्वयं के गौरव को बढ़ाना है। ध्यान रखें कि कोई भी मरीज निराश होकर न जाए।

अपने संबोधन में सीएम ने कहा कि शासन ने सब कुछ दिया है। आज ही नहीं आगे के 100 सालों की कार्य योजना को देखा है। सदी की सबसे बड़ी महामारी कोरोना के दैरान में केजीएमयू ने मिसाल पेश की है। एक मेडिकल कॉलेज के कुछ डॉक्टरों ने खुद को क्वारेंटीन कर लिया। लेकिन, जांच में निगेटिव मिले। मैंने उनको निलंबित किया।

सीएम ने कहा कि केजीएमयू के डॉक्टरों ने काम किया। मिशाल पेश की। कहा कि सर्जरी के लिए 377 करोड़ रुपये के नए भवन के लिए धनराशि स्वीकृत की गई है। फायर सिक्योरिटी के लिए लारी का विस्तार 70 करोड़ रुपये से हो रहा है। कहा कि आपसी सहयोग में और तेजी लाएं। तकनीक और चिकित्सा विभाग को मिलकर काम करना होगा। सीएम ने आगे कहा कि कोविड महामारी के दौरान अमेरिका से दिल के डॉक्टर आए थे। वह कानपुर से पढ़े थे। बीटेक के बाद अमेरिका में जाकर डॉक्टर बन गए। 25 साल पहले अमेरिका में यह सुविधा थी। हमें आगे आने के लिए प्रयास करना होगा। पैसे की कमी नहीं है। काम समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाना होगा। सरकार ने भ्रष्टाचार पर प्रहार किया है। सीएम ने कहा कि सेंटर फॉर एक्सीलेंस विभाग पैसा ले लेता है। समय पर खर्च नहीं कर पाते हैं। पीएलए का पैसा निकलवाकर प्रदेश के कार्मिकों का वेतन दिया। 31 मार्च तक स्वीकृत पैसा न खर्च न कर पाने वाले विभाग का पैसा वापस ले लें। अगले साल फिर आवंटन हो। यहां पर डाटा सेंटर की स्थापना होगी। इसके लिए आईआईटी कानपुर के साथ मिलकर काम करना होगा।

सीएम ने कहा कि मरीजों की स्क्रीनिंग कैसे करें? वर्चुअल आईसीयू, टेलीमेडिसिन कैसे कर सकते हैं? आप लोग इस पर भी सोचें। उपचार के लिए पैसे की कमी नहीं है। समस्या पैसा नहीं है। खराब दिनचर्या से भी मरीजों की भीड़ रही है। दूसरा बीमारी स्मार्ट फोन बन गई है। इसके लिए मानसिक रोग विभाग का विस्तार किया जाना है। सीएम ने कहा कि डॉक्टरों के लिए सबसे बड़ी पूंजी उसकी संवेदना होती है। सबके निरोग होने की कल्पना के साथ डॉक्टर का व्यवहार ठीक होगा तो बाकी स्टाफ का भी व्यवहार ठीक होगा। बीमारी चली जाती है, लेकिन व्यवहार याद रहता है। कहा कि सेवा और शिक्षा दोनों फील्ड में मानक तय करें। आगे के तीन और पांच सालों का लक्ष्य तय करें।

किसानों के साथ संवाद की जरूरत-जगदीप धनखड़

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि किसानों के साथ संवाद करने और संवेदना जताने की आवश्यकता है। श्री धनखड़ हरियाणा के सिरसा में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा, " आज आवश्यकता है संकल्पित होने कीकृअन्नदाता से संबंधित प्रकरण संवाद और संवेदना से निर्णीत हों। अन्नदाता आर्थिक समृद्धि का आधार है। सामाजिक समरसता का सूत्रधार है।अन्नदाता का कल्याण ही देश प्रगति का शाश्वत रास्ता है और यही देश हित में भी।" उन्होंने कहा कि चौधरी ओम प्रकाश चौटाला हरियाणा प्रदेश के पाँच बार मुख्यमंत्री और सात बार विधायक रहे। लेकिन उनका व्यक्तित्व इनसे परिभाषित नहीं होता। जीवन पर्यंत उन्होंने अपने को किसान कल्याण और ग्रामीण विकास के लिए समर्पित किया।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि ओम प्रकाश चौटाला वर्ष 1989 के बड़े राजनीतिक बदलाव के प्रमुख सूत्रधारों में से थे। किसान कर्ज मुक्ति उनका ध्येय था। जनता दल सरकार का किसान कर्ज माफी कदम उनकी पहल था। निस्संदेह देश विकास और विकसित भारत का लक्ष्य ग्रामीण और किसान हित साधने से ही संभव है।

उपराष्ट्रपति एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती डॉ सुदेश धनखड़ दिवंगत नेता के निवास तेजा खेड़ा पहुंचे। चौटाला परिवार से श्री धनखड़ के दशकों पुराने आत्मीय संबंध रहे हैं। उन्होंने शोकाकुल परिवारजनों के प्रति अपनी संवेदना भी व्यक्त की।

इससे पहले श्री ओम प्रकाश चौटाला के निधन पर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए श्री धनखड़ ने कहा कि एक दूरदर्शी राजनेता के रूप में उन्होंने सदैव ग्रामीण विकास एवं कृषि समृद्धि को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। हरियाणा के समग्र विकास तथा भारतीय लोकतंत्र को सशक्त बनाने में उनका अविस्मरणीय योगदान सदैव प्रेरणास्रोत बना रहेगा।

मोदी ने ध्यान को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का किया आह्वान

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर सभी से ध्यान को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया है। श्री मोदी ने शनिवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि ध्यान व्यक्ति के जीवन के साथ-साथ हमारे समाज और धरती पर शांति एवं सद्भाव लाने का एक सशक्त तरीका है।

उन्होंने लिखा,"आज, विश्व ध्यान दिवस पर, मैं सभी से ध्यान को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने और इसकी परिवर्तनकारी क्षमता का अनुभव करने का आह्वान करता हूं। ध्यान एक व्यक्ति के जीवन के साथ-साथ हमारे समाज और धरती पर शांति एवं सद्भाव लाने का एक सशक्त तरीका है। प्रौद्योगिकी के युग में, ऐप्स और निर्देशित वीडियो हमारी दिनचर्या में ध्यान को शामिल करने में मदद करने वाले मूल्यवान उपकरण हो सकते हैं।" उल्लेखनीय है संयुक्त राष्ट्र के आह्वान पर आज के दिन को विश्व ध्यान दिवस के रूप में मनाया जाता है।

देवरिया में अमित शाह के खिलाफ सपा कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया में समाजवादी पार्टी(सपा) के कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब डा.भीम राव अंबेडकर के खिलाफ गृह मंत्री अमित शाह के बयान देने का आरोप लगाकर शनिवार को सड़क पर उतर कर विरोध-प्रदर्शन किये। सपा कार्यकर्ताओं का आरोप है कि अमित शाह ने बाबा साहेब का अपमान किया है और इसके विरोध में सड़क पर उतर कर आज सपा कार्यकर्ताओं ने अपना विरोध प्रदर्शन कर गृहमंत्री के इस्तीफा की मांग की है।सपा कार्यकर्ताओं का आरोप है कि गृहमंत्री का यह बयान समाज के एक महान नेता और संविधान निर्माता का अपमान करने जैसा है। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि अमित शाह देश की जनता से माफी मांगें।

मुंबई नौका हादसा , मृतकों की संख्या बढ़कर 15 हुई

मुंबई। गत 18 दिसंबर को मुंबई तट पर पर्यटक नौका-भारतीय नौसेना की नाव के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद लापता सात वर्षीय लड़के का शव शनिवार को मिला और मृतकों की संख्या 15 हो गयी। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक लड़के की पहचान गोवा निवासी जोहान पठान के रूप में हुई है, जिसकी मां की इस हादसे में मौत हो गयी थी । पिछले 48 घंटों से नौ भारतीय नौसेना और तटरक्षक जहाजों पर सवार 50 कर्मियों की टीम दुर्घटनाग्रस्त नौका से लापता अंतिम यात्री जोहान की तलाश में मुंबई तट के पानी में खोजबीन कर रही थी।

राम मंदिर बनाने से कोई हिंदू नेता नहीं बन सकता- मोहन भागवत

पुणे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा है कि राम मंदिर बनाने से कोई हिंदू नेता नहीं बन सकता। श्री भागवत ने शुक्रवार को पुणे में शविश्वगुरु भारतश के व्याख्यान को संबोधित करते हुए कहा , "धर्म प्राचीन है और धर्म की पहचान से ही राम मंदिर बनाया गया है।

यह सही है, लेकिन सिर्फ मंदिर बन जाने से कोई हिंदुओं का नेता नहीं बन सकता। हिंदू धर्म सनातन धर्म है और इस सनातन और सनातन धर्म के आचार्य सेवाधर्म का पालन करते हैं। यह मानव धर्म की तरह सेवा धर्म है। सेवा करते समय हमेशा चर्चा से दूर रहना हमारा स्वभाव है।" उन्होंने आगे कहा, "जो लोग बिना दिखावे के लगातार सेवा करते हैं, वे सेवा की इच्छा रखते हैं। सेवा धर्म का पालन करते हुए हमें अतिवादी नहीं होना चाहिए और देश की परिस्थिति के अनुसार मध्यम मार्ग अपनाना चाहिए। मानव धर्म ब्रह्मांड का धर्म है और इसे सेवा के माध्यम से प्रकट किया जाना चाहिए। हम विश्व शांति की घोषणा करते हैं , लेकिन अन्य जगहों पर अल्पसंख्यकों की क्या स्थिति है? इस पर ध्यान देना जरूरी है। पेट भरने के लिए जो जरुरी है, वह करना चाहिए , लेकिन घर-गृहस्थी से परे जो कुछ भी हमें मिला है, उसका दोगुना सेवा के रूप में देना चाहिए।"

इसरो-ईएसए के बीच बड़ा समझौता

बंगलूरू। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को कहा कि उसने यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण, मिशन क्रियान्वयन और अनुसंधान प्रयोगों से जुड़ी गतिविधियों पर सहयोग किया जाएगा। समझौते पर इसरो प्रमुख एस सोमनाथ और ईएसए के निदेशक जोसफ एशबैचर ने हस्ताक्षर किए। इसरो ने एक बयान में कहा, इस समझौते के तहत दोनों एजेंसियां मानव अन्वेषण और अनुसंधान में सहयोग करेंगी। खासकर अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण, प्रयोग, अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर ईएसए की सुविधाओं का उपयोग, मानव और जैव चिकित्सा अनुसंधान प्रयोगों का क्रियान्वयन, साथ ही शिक्षा और जन जागरूकता की गतिविधियों पर मिलकर काम किया जाएगा। बयान में आगे कहा गया कि एक्सिओम-4 मिशन में इसरो के गगनयात्री और ईएसए के अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं। इस मिशन में भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा किए गए कुछ अन्वेषण का प्रयोग अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर किए जाएंगे।

इस मौके पर सोमनाथ ने कहा कि इसरो ने मानव अंतरिक्ष उड़ान के लिए एक रोडमैप तैयार किया है। इसके तहत भारत अपने स्वदेशी अंतरिक्ष स्टेशन बीएएस (भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन) भी बनाने जा रहा है और इससे ईएसए के साथ सहयोग के नए रास्ते खुलेंगे। वहीं, ईएसए के प्रमुख एशबैचनर ने इस समझौते को दोनों एजेंसियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण बताया और इसरो की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस समझौते से दोनों के बीच सहयोग और मजबूत होगा।

बांसुरी वादक पं. हरि प्रसाद चौरसिया बोले : संगीत को बेसुरा बनाने की होड़, हाथ में बंदूक हो तो गोली मार दूं

प्रयागराज। बांसुरी की तान से भारतीय संगीत का विश्व पटल पर डंका बजाने वाले पद्मविभूषण पं. हरि प्रसाद चौरसिया बेसुरे दौर से बेहद आहत हैं। वह कहते हैं, संगीत को बेसुरा बनाने की होड़ है। यह चिंता का विषय है। मेरे हाथ में बंदूक होती तो मैं ऐसे लोगों को गोली मार देता। महाकुंभ की सांस्कृतिक यात्रा के शुभारंभ के लिए प्रयागराज आए बांसुरी सम्राट पं. हरि प्रसाद चौरसिया ने शुक्रवार को अमर उजाला से खास बातचीत में संगीत, संस्कृति, समाज और राजनीति से जुड़े प्रसंगों पर अपने अनुभवों को साझा किया। सिविल लाइंस के एक होटल में उन्होंने कहा, संगीत को बर्बाद वो लोग कर रहे हैं, जिनको ज्ञान नहीं है। वह चिंता जताते हुए कहते हैं, इस देश में दारू बंद नहीं हो रही है, लेकिन कलाकारों और उनकी संगीत साधना के पहचान दिलाने वाले रेडियो बंद हो रहे हैं। बांसुरी को साधकर विश्व में भारतीय संगीत की सुगंध बिखेरने के सवाल पर वह कहते हैं कि यह ऐसा वाद्य है जिसे लेकर आने–जाने पर कोई सुरक्षा का खतरा नहीं है। बांस का टुकड़ा है। कोई खर्च भी नहीं है। यही ऐसा बाजा है जिसमें बिना तार–चमड़ा के ही सांस की दमकशी से अनूठे स्वर, छंद, अलंकार निकलते हैं, लेकिन हमारे देश के किसी भी विश्वविद्यालय में बांसुरी का कोई विभाग नहीं है। बांसुरी जैसा वाद्ययंत्र नहीं पढ़ाया जाता। उस्ताद जाकिर हुसैन के बहाने वतन की मिट्टी के लिए दी नसीहत उन्होंने ताल नाद के महानायक उस्ताद जाकिर हुसैन को भी याद किया। कहा कि उस्ताद अमेरिका में जाकर बस गए और वहीं उनका इंतकाल भी हो गया। हमेशा अपने वतन की मिट्टी से प्यार करना चाहिए। मुझे जर्मनी, जापान, अमेरिका और इंग्लैंड कभी प्रिय नहीं लगा। मेरा मानना है कि चाहे संगीतकार बनिए या डॉक्टर–इंजीनियर। अपने वतन के लिए काम करना चाहिए। दूसरे देश में जितना भी करेंगे, कोई आपके ऊपर भरोसा नहीं करेगा।

पृथ्वी का स्वर्ग है प्रयागराज, चाहता हूं जब भी जन्म लूं इसी धरती पर लूं बच्चे से भी बढ़कर यहां के लोग मुझे करते हैं प्यार। जीवन में पहली बार प्रयाग में बांसुरी खामोश है। आज लोग मुझे सुनना चाहते हैं, बांसुरी नहीं। जबकि, मैं बातें नहीं करता, बांसुरी बजाता हूं। मौका मिला तो महाकुंभ में भी बांसुरी की तान संगम तट पर सुनाऊंगा।

आज से हाईकोर्ट में शीतकालीन अवकाश, अब दो जनवरी से होगा अदालती कामकाज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में शनिवार से शीतकालीन अवकाश शुरू हो जाएगा। अब कोर्ट में दो जनवरी से कामकाज

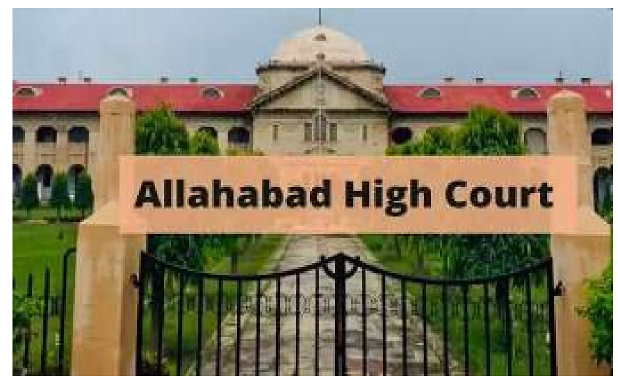

होगा। हाईकोर्ट के आधिकारिक कैलेंडर के मुताबिक 23 दिसंबर से शीतकालीन अवकाश शुरू होगा। लेकिन, वर्ष 2024 का अदालती कामकाज शुक्रवार को पूरा हो गया। शनिवार को केवल कार्यालय से जुड़े कामकाज होंगे और रविवार से वह भी बंद ही जाएंगे। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से संचालित फोटो आइडेंटिटी सेंटर 24 दिसंबर तक खुला रहेगा। मुकदमा दाखिल करने के लिए वादकारी 24 दिसंबर तक फोटो खिंचवा सकेंगे। यह जानकारी देते हुए बार एसोसिएशन के प्रेस सचिव पुनीत शुक्ल ने बताया कि सेंटर 25 दिसंबर से 30 दिसंबर तक बंद रहेगा।

केंद्र तय होने के बाद ही घोषित होगी TGT-PGT की परीक्षा तिथि, UPESSC ने किया स्पष्ट

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा की तिथि स्पष्ट कर दी है। यह परीक्षा 16 व 17 फरवरी को होगी। लेकिन, आयोग ने टीजीटी–पीजीटी के 4163 पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा तिथि अधिकृत रूप से घोषित नहीं की है। आयोग परीक्षा केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया पूरी करने में लगा है। केंद्र तय होने के बाद अधिकृत रूप से तिथि घोषित की जाएगी। टीजीटी–पीजीटी के लिए 13 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने आवेदन किए हैं जबकि असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के लिए 1.14 लाख अभ्यर्थियों ने दावेदारी की है। इनमें से बड़ी संख्या ऐसे अभ्यर्थियों की भी है, जिन्होंने दोनों भर्ती परीक्षाओं के लिए आवेदन किए हैं। शिक्षा सेवा चयन आयोग ने बीते दिनों प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को पत्र भेजकर टीजीटी–पीजीटी भर्ती परीक्षा के लिए केंद्रों की लिस्ट मांगी थी। इस पत्र में टीजीटी की लिखित परीक्षा चार व पांच अप्रैल और पीजीटी की लिखित परीक्षा 11 व 12 अप्रैल को प्रस्तावित की गई है, लेकिन आयोग ने अधिकृत तौर पर टीजीटी–पीजीटी की परीक्षा तिथि घोषित नहीं की है। ऐसे में अभ्यर्थियों के बीच टीजीटी–पीजीटी की परीक्षा तिथि को लेकर असमंजस है। अभ्यर्थियों की संख्या है काफी अधिक आयोग के सूत्रों का कहना है कि टीजीटी–पीजीटी के अभ्यर्थियों की संख्या काफी अधिक है। ऐसे में सभी जिलाधिकारियों से परीक्षा केंद्रों की सहमति मिलने के बाद ही परीक्षा तिथि की घोषणा होगी। अगर पूर्व में प्रस्तावित तिथियों पर पर्याप्त संख्या में परीक्षा केंद्र उपलब्ध नहीं हो पाते हैं तो प्रस्तावित तिथियों में परिवर्तन करना होगा। वहीं, अभ्यर्थियों का कहना है कि परीक्षा की तैयारी के लिए उन्हें कम से कम तीन माह का समय चाहिए। अगर परीक्षा अप्रैल में कराए जाने की कोई योजना है तो आयोग को परीक्षा तिथि घोषित कर देनी चाहिए। प्रतियोगी छात्र मोर्चा के अध्यक्ष विक्की खान ने आयोग अध्यक्ष से मांग की है कि असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती की तरह टीजीटी–पीजीटी परीक्षा की तिथि भी अधिकृत तौर पर शीघ्र घोषित की जाए, ताकि अभ्यर्थियों को परीक्षा की तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सके।

कोर्ट उठने तक हिरासत में लिए गए विशेष सचिव समाज कल्याण, हाईकोर्ट ने अवमानना में सुनाई सजा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आदेश की अवमानना में विशेष सचिव समाज कल्याण रजनीश चंद्र को कोर्ट उठने

तक हिरासत में रहने की सजा सुनाई। साथ ही उन पर दो हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। विशेष सचिव शाम चार बजे तक हिरासत में रहे। कोर्ट ने कहा कि चार जनवरी 2025 तक जुर्माने का भुगतान नहीं किया गया तो एक महीने की अतिरिक्त सजा सुनाई जाएगी। यह आदेश न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय ने फतेहपुर की सहायक अध्यापिका सुमन देवी की अवमानना याचिका पर दिया। सुमन समाज कल्याण विभाग से संचालित डॉ.बीआर अंबेडकर शिक्षा सदन में सहायक अध्यापिका थीं और अप्रैल 2022 को अवकाश प्राप्त किया। बीच सत्र में सेवानिवृति होने के कारण इन्होंने नियमानुसार सत्र लाभ के लिए आवेदन किया। आवेदन स्वीकार नहीं करने पर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। याचिका लंबित रहने के दौरान ही विभाग ने इन्हें सत्र लाभ देते हुए विद्यालय में ज्वाइन करा दिया। याची ने 21 जनवरी 2023 को ज्वाइन कर लिया। लेकिन, इन्हें अप्रैल 2022 से 21 जनवरी 2023 तक के वेतन का भुगतान नहीं किया गया। इसके खिलाफ इन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। अधिवक्ता ने दलील दी कि विभागीय गलती से याची को ज्वाइन नहीं कराया। साथ ही काम नहीं तो वेतन नहीं का सिद्धांत मानकर भुगतान नहीं किया। कोर्ट ने याचिका मंजूर करते हुए याची को वेतन भुगतान करने का आदेश दिया। इस आदेश के बावजूद विशेष सचिव ने आदेश पारित कर कहा कि याची से काम नहीं लिया गया है। इसलिए वेतन नहीं दिया जा सकता है। इसके खिलाफ अवमानना याचिका दाखिल की गई। न्यायालय ने इसे अदालत के आदेश की अवमानना मानते हुए विशेष सचिव रजनीश चंद्रा व फतेहपुर के जिला समाज कल्याण अधिकारी और जिला पिछड़ा वर्ग समाज कल्याण अधिकारी प्रसून राय को तलब किया। रजनीश चंद्र और प्रसून राय के खिलाफ अदालत ने अवमानना का केस चलाते हुए स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया। रजनीश चंद्र ने अपने हलफनामे में माफी मांगते हुए बताया कि कोर्ट के आदेश का पालन कर दिया गया है। कोर्ट स्पष्टीकरण से सहमत नहीं था। इसलिए रजनीश चंद्र को अदालत उठने तक हिरासत में रहने की सजा सुनाई है। जबकि, प्रसून राय को अवमानना के आरोप से बरी कर दिया है। रजनीश चंद्र मूलरूप से लखीमपुर खीरी के रहने वाले हैं रजनीश चंद्र स्टेट कोटे के आईएएस अफसर हैं। उन्हें 2021 में पीसीएस से आईएएस कैडर मिला। वे मूलरूप से लखीमपुर खीरी के रहने वाले हैं। रजनीश चंद्र पूर्व में अपर निदेशक समाज कल्याण विभाग के पद पर तैनात रहे हैं।

महाकुंभ में हादसों से बचाव के लिए पुलिस को किया जा रहा प्रशिक्षित, तीन दिनी शिविर की शुरुआत

प्रयागराज। महाकुंभ मेले में आग समेत अन्य दुर्घटना में घायलों को बेहतर ट्रीटमेंट देने से पहले कई बातों का ख्याल रखना चाहिए। इनमें सबसे जरूरी घायल को स्ट्रेचर पर सही तरह से लिटाना है। यह बात शुक्रवार को महाकुंभ दमकल विभाग मुख्यालय में पुलिसकर्मियों के लिए आयोजित प्रशिक्षण के दौरान डिप्टी डायरेक्टर अमन शर्मा ने कही। उन्होंने कहा कि महाकुंभ मेले में 45 करोड़ के करीब श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताई जा रही है। अधिक भीड़ में हादसों से बचाव के लिए दमकल विभाग के पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। इन पुलिसकर्मियों को स्पेशल ट्रेंड रेस्क्यू ग्रुप (एसटीआरजी) नाम दिया गया है। इसमें 200 जवानों को शामिल किया गया है, जो प्रदेश भर से अलग–अलग जिलों से आए हुए हैं। डिप्टी डायरेक्टर अमन शर्मा ने बताया कि हर जवान को पहले खतरे को भांपना होगा। इसके बाद फैसला लेते हुए तुरंत एंबुलेंस को सूचित करना होगा, भीड़ को हटाना होगा, इसमें लीडर की जरूरत होगी। खास बात है कि अगर कोई आग से झुलसा है तो सबसे पहले पानी डालना है कि नहीं, कैसे स्ट्रेचर पर लिटाए, ट्रांसपोटेशन की व्यवस्था क्या है। इन सब बातों पर ध्यान देने की जरूरत है। महाकुंभ मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रमोद शर्मा ने कहा कि तीन दिन का प्रशिक्षण शिविर शुक्रवार को शुरू हुआ जो रविवार को संपन्न होगा। प्रशिक्षित जवानों को एक सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा। इसके बाद वह अपने–अपने जिले में अन्य पुलिस जवानों को भी प्रशिक्षित करने का काम करेंगे।

शराब पीने में हुए विवाद में दोस्त ने तौलिए से गला घोंटकर मार डाला, आरोपी की खोजबीन में जुटी पुलिस

प्रयागराज। पूरामुफ्ती में शराब पीने के दौरान हुए विवाद में दोस्त ने ही 25 वर्षीय युवक की हत्या कर दी। पहले मारपीट और फिर तौलिए से गला घोंट दिया। इसके बाद मौके से भाग निकला। पुलिस आरोपी की तलाश में देर रात तक दबिश देती रही। कौशाम्बी के महेवाघाट स्थित कुरई गांव का रहने वाला अरुण कुमार (25) मजदूरी करता था। वह शुक्रवार को धूमनगंज निवासी अपने दोस्त संग वहां शराब लेकर पहुंचा था। वहां दोनों ने साथ में बैठकर शराब पी और इसी दौरान उनमें किसी बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि इसे लेकर दोनों में मारपीट होने लगी और तभी आरोपी दोस्त ने अरुण का तौलिये से गला घोंट दिया। इससे उसकी मौत हो गई। यह देखकर आरोपी भाग निकला। सूचना पर पूरामुफ्ती पुलिस पहुंच गई। जांच पड़ताल व परिजनों को सूचना देने के बाद शव मर्चरी भेजवा दिया गया। पूरामुफ्ती प्रभारी मनोज कुमार सिंह देर रात तक आरोपी की तलाश में पूरामुफ्ती से लेकर कौशाम्बी तक अलग–अलग स्थानों पर दबिश देते रहे। एसीपी धूमनगंज राजकुमार मीना ने बताया कि शराब पीने के दौरान विवाद हुआ था।आरोपी की तलाश में टीमें लगा दी गई हैं। उसे जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

मानवता के कातिल यूनुस से शांति का नोबेल छीना जाए, यतींद्रानंद बोले- बांग्लादेश पर हो सर्जिकल स्ट्राइक

प्रयागराज। जूना अखाड़े के वरिष्ठ महामंडलेश्वर स्वामी यतींद्रानंद गिरि ने शुक्रवार को बांग्लादेश हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर गंभीर चिंता जताई। कहा कि जिस तरह वहां हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं,उससे मानवता शर्मसार हो रही है। बांग्लादेश में इस्लामी जिहादी हिंदू, बौद्ध और ईसाई मतावलंबियों पर अत्याचार कर रहे हैं। ऐसे में केंद्र सरकार को चाहिए कि वहां के हिंदुओं की रक्षा के लिए सैनिक कार्रवाई करे। बिना सैनिक कार्रवाई के वहां हिंदुओं के जान माल की रक्षा नहीं हो सकती। महामंडलेश्वर ने कहा कि सिर्फ धरना– प्रदर्शन से कुछ होने वाला नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चाहिए कि वह बांग्लादेश पर सर्जिकल स्ट्राइक का आदेश जारी करें। एक सवाल पर उन्होंने कहा कि मोहम्मद यूनुस से नोबेल पुरस्कार वापस लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि क्या शांति के लिए नोबेल पुरस्कार मानवता की हत्या करने वालों को दिया जाना चाहिए। जिस प्रकार से मानवता की हत्या मोहम्मद यूनुस तथा बांग्लादेशी इस्लामी जिहादी कर रहे हैं और संयुक्त राष्ट्र संघ, मानवाधिकार आयोग जैसी संस्थाएं मौन साधकर तमाशा देख रही हैं, उसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि आवश्यकता है भारत के अंदर जो बांग्लादेशी और रोहिंग्या अनाधिकृत रूप से षड्यंत्र के तहत घुसे हुए हैं, उनको देश से बाहर निकाला जाना चाहिए। चाहे संभल की मस्जिद हो, अजमेर की दरगाह हो, यहां तक की आगरा का ताजमहल भी हिंदू मंदिर था। जयपुर घराने की वह संपत्ति तेजो महल के नाम से जानी जाती थी। ताजमहल में हिंदू सनातन चिह्न हैं। लुटेरे आक्रमणकारी मुगलों ने केवल विध्वंस किया है। वह भारत में किसी प्रकार का निर्माण करने नहीं आए थे। हिंदू समाज जाग रहा है, जिन मंदिरों को तोड़ा गया उन मंदिरों को फिर से पुनरुद्धार करके वहां के विग्रह स्थापित किए जाएंगे। आगरा की शाही मस्जिद की सीढ़िया पर जब मथुरा का मंदिर तोड़ा गया तो भगवान केशव देव जी के विग्रह को सीढिघ्यों के नीचे दफन किया गया। वह सीढ़ियां तोड़ी जाए, ताकि भगवान के विग्रह को वापस उनके स्थान पर स्थापित किया जा सके।

वाराणसी स्टेशन पर लगेंगे 220 कैमरे, टोरंटो रेलवे की तर्ज पर होगी यात्रियों की निगरानी

वाराणसी। प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ के दौरान वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और साफ–सफाई की निगरानी के लिए 220 सर्विलांस कैमरे लगाए जाएंगे। कनाडा के टोरंटो रेलवे की तर्ज पर वाराणसी के कैंट रेलवे स्टेशन के हर

आगमन और निकास मार्ग के अलावा सभी प्लेटफॉर्म और सर्कुलेटिंग एरिया सर्विलांस कैमरों की जद में होंगे। फिलहाल कैंट स्टेशन पर 90 कैमरों की मदद से निगरानी की जा रही है। कैंट स्टेशन निदेशक अर्पित गुप्ता ने बताया कि और 130 कैमरों को लगाने का प्रस्ताव है। इसमें से 50 कैमरे स्टोर में हैं। इन्हे इंस्टाल करने की तैयारी कर ली गई है। 80 नए कैमरे मंगाए जाएंगे।

हाई रिजोल्यूशन के कैमरे 25 दिसंबर तक स्टेशन पर इंस्टाल कर लिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि भीड़ को ध्यान में रखते हुए तैयारी की जा रही है। यहां अतिरिक्त सुरक्षा बरतने के अलावा आने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए जगह जगह इलेक्ट्रॉनिक डिस्पले बोर्ड लगाए जाएंगे ताकि आने जाने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना ना करना पड़े। मेकअप के लिए पुरुष चाहिए तो ग्राहक से लिखित में लें राज्य महिला आयोग की सदस्य नीलम प्रभात ने शुक्रवार को एक कोचिंग सेंटर और स्पा का निरीक्षण किया। कहा कि स्पा सेंटर में कोई महिला ग्राहक पुरुषों से मेकअप कराने की मांग करे तो उससे लिखकर लिया जाए। महिला आयोग की सदस्य ने शहर की एक निजी कोचिंग सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होंने कैश कमेटी की रिपोर्ट को आयोग से साझा करने के निर्देश दिए। इसके बाद शिवपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया

तेलियरगंज और सिविल लाइंस की हवा बेहद खराब, ऑरेंज जोन में पहुंची, थ्री लेयर का मास्क लगाने की सलाह

प्रयागराज। संगमनगरी में इन दिनों एक बार फिर दिवाली के बाद जैसे हालात हो गए हैं। हर इलाका फिर जहरीली हवाओं की चपेट में है। शहर का एक्यूआई स्तर 300 माइक्रोग्राम पर मीटर से ऊपर दर्ज हुआ है। इस लिहाज से यह प्रदूषण का खराब जोन है। सबसे बुरी स्थिति तेलियरगंज और सिविल लाइंस की है। यहां की हवाएं बेहद खराब की श्रेणी के करीब हैं। यहां हवा में धूल के कण 300 एमपीएम के ऊपर रिकॉर्ड किए गए हैं। वायु प्रदूषण के लिहाज से शुक्रवार को पूरे शहर का बुरा हाल रहा। गंगा के किनारे बसे झूंसी की हवा भी खराब हो गई है। यहां एक्यूआई का स्तर 249 माइक्रोग्राम पर मीटर (एमपीएम) पाया गया। इसी प्रकार एमएनआईटी में लगी लाइव सेंसर मशीन पर तेलियरगंज का पीएम 2.5 का स्तर 328 दर्ज किया, जबकि नगर निगम में लगे लाइव सेंसर मशीन पर सिविल लाइंस का पीएम 2.5 का स्तर 355 दर्ज किया गया। यहां सभी तरह के सूक्ष्म कण पीएम 2.5 की औसत मौजूदगी ऑरेंज जोन में रही। यहां धूल कणों की औसत मौजूदगी भी मानक से कहीं ज्यादा रही। इन इलाकों में कार्बन मोनो ऑक्साइड मानकों से कई गुना अधिक मानक से ज्यादा दर्ज किया गया। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अफसरों का कहना है कि ठंड के कारण ऐसी स्थिति है। हवा चलने पर मौसम सामान्य हो जाएगा। मॉर्निंग वॉक करने से बचें, घर में ही व्यायाम करना ज्यादा ठीक चिकित्सकों का कहना हैं कि इससे बचने का फिलहाल कोई उपाय नहीं है, इसलिए घर से बाहर निकलते वक्त थ्री लेयर का मास्क लगाकर चलें। सुबह टहलने से बचना होगा। घर में ही व्यायाम करना ठीक रहेगा। घर को साफ रखें। अगरबत्ती, धूपबत्ती, मच्छर मार धूप जैसी चीजों का प्रयोग कम करें। घरों के आसपास पानी का छिड़काव करें। आसपास अधिक पेड़–पौधे लगाने से राहत मिलेगी।

क्रियायोग के भूमि आवंटन पर मेला प्राधिकरण ले फैसला, संभव हो तो उसकी पसंद के करीब दी जाए जमीन

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महाकुंभ मेले में जमीन के आवंटन के संबंध में क्रियायोग संस्थान की संस्था योग सत्संग समिति के आवेदन पर प्रयागराज मेला प्राधिकरण को सात दिन के अंदर फैसला लेने का निर्देश दिया है। कहा है कि अधिकारी यह ध्यान रखेंगे कि उक्त संस्था लंबे समय से इस परंपरा का हिस्सा रही है। संभव हो तो उसकी पसंद के करीब जमीन दी जाए। यह आदेश न्यायमूर्ति शेखर बी शराफ व न्यायमूर्ति नंद प्रभा शुक्ला की खंडपीठ ने योग सत्संग समिति के महानिदेशक की ओर से दाखिल याचिका पर दिया। याची संस्था को कुंभ के दौरान मुक्ति मार्ग पर जमीन मिलती रही है। 2019 में जमीन आवंटन के दौरान मेला प्रशासन ने जगह बदल दी। इस बार मेले में याची को मेला प्रशासन ने संगम से 10 किमी दूर सेक्टर–12 में जमीन आवंटित की गई। इसे याची संस्था ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि याचिकाकर्ता को मेले के दौरान त्रिवेणी मार्ग और मुक्ति मार्ग के जंक्शन पर भूमि आवंटित की जाती रही है। ऐसे में इस बार भी वहीं भूमि आवंटित की जानी चाहिए। प्रयागराज मेला प्राधिकरण के अधिवक्ता ने दलील दी कि याचिकाकर्ता की ओर से जिस विशेष स्थान की मांग की जा रही है, वह शंकराचार्यों, अखाड़ों और महामंडलेश्वरों को आवंटित की जा चुकी है या प्रक्रिया में है। ऐसे में आवंटन में बदलाव करना पड़ेगा। वहीं, कोर्ट ने कहा कि कोई भी विशेष संगठन किसी विशेष भूमि को आवंटित करने का दावा केवल इसलिए नहीं कर सकता कि उक्त भूमि उसे पिछले वर्षों में आवंटित की गई थी। मेले का दायरा हर साल बढ़ता जा रहा है।

सदियों पुरानी है कुंभ मेला बसावट की परंपरा, 18वीं सदी में प्रयाग में सभी अखाड़ों को मिली थी भूमि

प्रयागराज। संगम तट पर कुंभ की संस्कृति इतिहास से पुरातन और परंपराओं से भी पुरानी है। कुंभ में यहां फूस–कपड़े की छावनियां बनाकर कल्पवास और जप–तप–ध्यान करने की सदियों पुरानी रीति रही है। कुंभ–महाकुंभ का कारवां मुगल काल में भी नहीं थमा। 18वीं शताब्दी में सभी अखाड़ों के लिए भूमि आवंटन के उल्लेख मिलते हैं। विश्व के इस सबसे बड़े सांस्कृतिक आयोजन की महिमा का वर्णन वेदों में तो मिलता ही है, दशनाम नागा संन्यासी नामक पुस्तक में महंत लालपुरी ने भी इसका विस्तार से उल्लेख किया है। वह लिखते हैं कि आज यह सांस्कृतिक आयोजन भले ही व्यावसायिक रूप ले चुका है, लेकिन पहले यहां की भूमि का आवंटन सिर्फ यज्ञ–अनुष्ठानों के लिए ही होता था। उन्होंने कुंभ के गुप्तकालीन आयोजनों की भी चर्चा की है। लिखा है, गुप्तकाल में पुराण और ज्योतिष गणना को आधार मानकर कुंभ पर्व के स्नान का निर्णय किया जाता था। कई इतिहासविद सम्राट हर्षवर्धन के काल से संगम पर कुंभ के आयोजन की बात करते हैं, लेकिन यही बात अंतिम नहीं है। चीनी यात्री ह्वेनसांग ने अपने यात्रा वृत्तांत में लिखा है कि हर छठवें वर्ष संगम तट पर सम्राट हर्षवर्धन की ओर से कुंभ का आयोजन होता था। सम्राट यहां धन–वस्त्र ही नहीं, शासन के प्रतीक चिह्न राजदंड को भी दान कर देते थे। फिर, बहन राज्यश्री से चीवर (वस्त्र का टुकड़ा) मांगकर पहनते और अपने राज्य कन्नौज लौट जाते थे। महंत लालपुरी की पुस्तक में 1840 में प्रयाग में हुए अर्धकुंभ का विवरण भी दिया गया है। वह लिखते हैं कि तब सभी अखाड़ों की बसावट के लिए भूमि आवंटित की गई थी। इसमें देश भर से लोग आए थे। बड़ी संख्या में संतों–भक्तों ने गंगा तट पर जप, तप, ध्यान शुरू कर दिया था। अखाड़ों की छावनियों में ध्वजाएं फहराई गई थीं। ध्वज दंड के पीछे ऊंचे स्तूप बनाए गए थे। स्तूपों की चोटी पर कहीं शंख तो कहीं पुष्प पात्र और देवी–देवताओं की मूर्तियां भी उकेरी गई थीं। कुछ जगह शामियाना भी लगाया गया था, जिसके चारों कोने लटक रहे थे।तब निर्वाणी अखाड़े का संन्यासी सात हाथियों पर लगे सुसज्जित हौदों पर सवार होकर शाही स्नान के लिए निकले थे।

'मान्धाता के प्राथमिक विद्यालयो का डायट प्रशिछुओ द्वारा निपुण लक्ष्य पर किये जा रहे एसेसमेंट /परीक्षण का डायट प्रवक्ता जितेन्द्र द्वारा किया गया औचक निरीक्षण'

प्रयागराज । निपुण मिशन के अंतर्गत महानिदेशक स्कूल शिक्षा लखनऊ के आदेशानुसार पूरे प्रदेश मे कक्षा एक व दो के छात्रों की शिक्षा गुणवत्ता के परीक्षण हेतु डायट के प्रशिछुओ द्वारा किया जा रहा है उसी क्रम में उप शिक्षा निदेशक ध् डायट प्राचार्य के निर्देश पर डायट की प्रशिक्षुओं द्वारा प्रतापगढ़ मे भी निपुण लक्ष्य ऐप पर एसेसमेंट का कार्य आज चौथे दिन भी तीन टीम बनाकर छा:प्रशिक्षुओ कु साक्षी मौर्या. पूनम यादव. उत्कर्षनी. मधू. मधुबाला द्वारा प्राथमिक विद्यालय वैशपुर हप्राथमिक विद्यालय मान्धाता द्वितीय प्राथमिक विद्यालय रंगौली प्राथमिक विद्यालय पूरै खरगराय प्राथमिक विद्यालय पूरे वैष्णव प्राथमिक विद्यालय पूरे तोरई – 1 वि क्षे मान्धाता के छात्र ध्छात्राओं का मोबाइल से निपुण ऐप पर एक एक छात्रों का एसेसमेंट ध्परीक्षण किया सभी बच्चे सहित सभी विद्यालय निपुण पाये गये डायट प्रवक्ता जितेन्द्र कुमार यादव द्वारा प्राथमिक विद्यालय वैशपुर व प्राथमिक विद्यालय मान्धाता – 1 का औचक निरीक्षण किया गया निरीक्षण के समय कु उत्कर्षणी प्रशिछुके द्वारा एसेसमेंट निष्पक्षता तथा कर्तव्य निष्ठा से किया जा रहा है एसेसमेंट मे मान्धाता और वैशपुर सहित वि क्षे के सभी विद्यालय के सभी छात्र निपुण पाये गये प्रभावित प्रशिछुओ का उत्साहवध्र्न और प्रोत्साहित किया साथ ही निपुण विद्यालयों के सभी शिक्षकों के कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि शिक्षक ही समाज की दशा और दिशा तय करते है सरकार द्वारा निर्धारित समय के अन्दर ही पूरे विकास क्षेत्र को निपुण ब्लाक बनाने का लक्ष्य पूरा कर देश और प्रदेश मे विकास क्षेत्र मान बढाने में सफल होगे साथ ही भारत को विश्व गुरु बनाने का मार्ग प्रशस्त करगे एसेसमेंट ध्परीक्षण के दौरान डायट के प्रवक्ता जितेन्द्र कुमार यादव भ्रमण के दौरान निपुण विद्यालयो के शिक्षकों तथा सुचिता पूर्ण कार्य कर रहे प्रशिछुओ को और कहा कि शिक्षकों द्वारा इसी तरह कार्य करते रहे तो शीघ्र ही भारत विश्व गुरू का स्थान पुनः प्राप्त करेगा साथ ही कहा कि प्रशस्ति पत्र डायट प्राचार्य ध् उपनिदेशक तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जायेगा। एस आर जी आशुतोष निर्मल राजेश प्रताप सिंह ए.आर.पी रिजवान ए आर पी वीरेन्द्र कुमार ए आर पी सत्यजीत सिंह ए.आर.पी कौशल प्रताप सिंह ए.आर.पी और विभाग के अधिकारी भी भ्रमण पर रहे।

बाढ़ आपदा प्रबंधन विषयक प्रशिक्षण का सत्रावसान

प्रतापगढ। क्षेत्रीय ग्राम विकास संस्थान अफीम की कोठी प्रतापगढ़ में 18 से 20 दिसम्बर तीन दिवसीय बाढ़ आपदा प्रबंधन(नाव दुर्घटना सर्पदंश एवं प्राथमिक चिकित्सा)विषयक प्रशिक्षण आज संपन्न हुआ यह प्रशिक्षण जनपद स्तरीय विभिन्न विभागों

के अधिकारियों का रहा जिसे क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान ने सफलता पूर्वक संचालित कियास इस प्रशिक्षण मे वार्ताकार के रूप में श्री बी के सिंह अनुपम शेखर रतनेश शर्मा एव डा संदीप सक्सेना आदि रहे वहीं प्रशिक्षुओं के रूप में इस प्रशिक्षण में जनपद प्रतापगढ़ के स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्राम विकास, पंचायती राज, कृषि, पशुपालन एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। सत्र के उद्घाटन व समापन के अवसर पर प्राचार्य मंजू देवी वर्मा का पाथेय प्राप्त हुआ आज समापन के अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आपदा को कम करने के लिए प्रशिक्षण बहुत ही आवश्यक है क्योंकि प्रशिक्षण से हमारे ज्ञान ,दक्षता और दृष्टिकोण में बदलाव आता है। आपदा के जोखिम को कम करने के लिए लोगों को जागरूक करना बहुत ही आवश्यक है सत्रसंचालन सत्र प्रभारी प्रवीण शुक्ल व जय प्रकाश चौधरी ने कियास

सैनिक को अपने खेत में बुवाई करने से रोक रहे दबंग

सैनिक ने महावन समाधान दिवस में लगाई गुहार

मथुरा। दिसंबर माह के तीसरे शनिवार को महावन तहसील समाधान दिवस में वर्दी में पहुंचे एक सैनिक ने एसडीएम आदेश कुमार और सीओ धर्मेंद्र चौहान से अपने ही खेत में बुवाई करने की फरियाद लगाई। शिकायती पत्र सौंपते हुए श्री नगर में तैनात सैनिक चौधरी हीरा सिंह ने कहा कि उनका खेत थाना बलदेव क्षेत्र के ग्राम गड़सौली मौजा में है जो कि 2017 और 2019 में खरीदा था जिसके बैनामा सहित कागजात और कब्जा उसके पास है। लेकिन कुछ दबंग लोग उससे लाखों रुपए की मांग करके प्रताड़ित और भयभीत कर रहे हैं उसे अपने ही खेत में बुवाई नहीं करने दे रहे हैं जब वह बुवाई के लिए जाता है तो दबंग लोग उसके खेत पर अपनी महिलाओं को आगे करके छेड़छाड़ का झूठा केस लगा देते हैं । इस घटना से सैनिक का परिवार काफी आहत और भयभीत है। बलदेव थाना पुलिस केवल मूक दर्शक बनी हुई है जिसकी शिकायत उसने फोन से पुलिस को 112 नंबर एवं व्यक्तिगत रूप से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से भी की है। सैनिक ने अपने खेत में बुवाई कराने और दबंगों पर कार्यवाही करने की गुहार लगाई है। एस डी एम आदेश कुमार ने बताया कि समाधान दिवस के दौरान कुल 39 शिकायतें आई जिनमें से 14 शिकायतों का मौके पर निस्तारण कर दिया है बाकी शिकायतों के निस्तारण हेतु निश्चित समय अवधि में सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। सैनिक चौधरी हीरा सिंह की जमीन का मामला संवेदनपूर्वक है सीओ साहब और खुद दोनों पक्षों को बुलाकर समाधान करेंगे ।

इवेंट मैनेजर ने लगाई फांसी,एमटेक की करता था पढ़ाई

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में इवेंट मैनेजर ने सुसाइड कर लिया। वह चिनहट इलाके में रहता था। शनिवार को शव फांसी पर लटकता देख जिंदा होने की आशंका पर परिजन लोहिया अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। चिनहट पुलिस के मुताबिक कमता कल्याणी विहार निवासी आदित्य बारी एमटेक के साथ इवेंट मैनेजर का भी काम करता था। शनिवार तड़के आदित्य ने अपने कमरे में पंखे के कुंडे से चादर के फंदे के सहारे फांसी लगा ली। पिता घनश्याम ने बताया कि घटना के बाद उसकी मां नीरू का रो–रो कर बुरा हाल है। उसने यह कदम क्यों उठाया समझ में नहीं आ रहा है। चिनहट थाना प्रभारी के मुताबिक परिवार वालों ने किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। कमरे से कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है। पोस्टर्माटम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हिन्दू महासभा त्रिदंडी का प्रतिनिधि मंडल 23 दिसंबर को संभल जायेगा

लखनऊ, (संवाददाता)। अखिल भारत हिन्दू महासभा त्रिदंडी का एक प्रतिनिधि मंडल 23 दिसंबर को संभल जायेगा। जो उप जिलाधिकारी सम्भल सुश्री वंदना मिश्रा एवं डिप्टी एसपी अनुज चौधरी को सनातन धर्म के प्रति सच्ची श्रद्धा और कर्तव्यनिष्ठा के लिए सम्मानित किया जाएगा। पार्टी मुख्यालय के प्रभारी प्रमोद त्रिवेदी के मुताबिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी के निर्देश पर बदायूं जिला अध्यक्ष शिवम शर्मा के नेतृत्व में अखिल भारत हिन्दू महासभा (त्रिदंडी) की टीम सम्भल जाएगी। टीम में पश्चिमांचल अध्यक्ष सौरभ कुमार सिंह, प्रदेश मंत्री विपिन कुमार सिंह, पश्चिमांचल उपाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह, विधि परामर्शदाता एडवोकेट विकास उपाध्याय, नगर अध्यक्ष उझानी ऋषभ गुप्ता, नगर उपाध्यक्ष बहिन रोशनी शंखवार आदि सदस्यगण रहेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री त्रिवेदी ने बताया कि संभल के प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने क्षेत्र में जिस तरह से सनातन हितों की रक्षा करते हुए कदम उठाए हैं वह बेहद सराहनीय है और इसके लिए वह सम्मान पाने के प्रबल दावेदार है।

डंडहिया में जलकल विभाग के खिलाफ नारेबाजी, रोड जाम कर किया हंगामा

लखनऊ, (संवाददाता)। डंडहिया में 9 महीने से पानी की समस्या से परेशान लोगों ने शनिवार दोपहर सड़क जाम करने का प्रयास किया। लोगों ने मौके पर जलकल विभाग के खिलाफ नारेबाजी की है। उनका कहना है कि कई बार शिकायत करने के बाद भी समस्या का समाधान अधिकारी नहीं कर रहे। इसके चलते लोग अब शिकायत करके थक चुके हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाकर रास्ता फिर से खुलवाया है। डंडहिया के रहने वाले सानू का कहना है कि 10 महीने में कई बार मामले की शिकायत अधिकारियों से की है, लेकिन अधिकारी सिर्फ आश्वासन देकर काम चला रहे। टैंकर की सप्लाई कई बार शिकायत करने के बाद आती है। उन्होंने कहा कि नगर निगम ने 3 गड्ढे खोद दिए। फिर काम आगे नहीं बढ़ा। सप्लाई की पाइप कट गई। पहले कुछ पानी आ भी जाता था, लेकिन अब पानी की बूंद भी नहीं आती है। टैंकर के इंतजार में धूप में घंटों बैठे रहते हैं। टैंकर आता है तो पानी भर लेते हैं। पानी के लिए लाइन लगानी लगती है। सप्लाई की पाइप कट गई। पहले कुछ पानी आ भी जाता था, लेकिन अब पानी की बूंद भी नहीं आती है।

अटल जी का कृतित्व और व्यक्तित्व समाज के लिए प्रेरणादायक: मनीष

करछना। अपने राजनैतिक और सामाजिक लोक जीवन में पूर्व प्रधानमंत्री,भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई जी का कृतित्व और व्यक्तित्व सर्व समाज के लिए प्रेरणादायक है। कुशल शासक,प्रखर वक्ता और जनकवि के रूप में उनके लोक जीवन की विविधा राष्ट्र के नवनिर्माण हेतु सदैव ऊर्जा और आत्म बल प्रदान करती रहेगी यह बातें अटल जी की जन्मशती के अंतर्गत रामपुर स्थित बृज मंगल सिंह इंटर कॉलेज में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानाचार्य मनीष तिवारी ने कही। उन्होंने कहा कि विभागीय दिशा निर्देश के अनुसार भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री के जीवन से संबंधित निबंध एवं भाषण प्रतियोगिताओं का भी आयोजन शीघ्र किया जाएगा।इस मौके पर अटल जी द्वारा रचित इक्यावन कविताओं में से कई प्रेरणादाई कविताओं का पाठ करते हुए देश की एकता, अखण्डताऔर राष्ट्र के नवनिर्माण का संकल्प लिया।

शिक्षकों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री के समर्पित जीवन और उनके आदर्शों से सीख लेने हेतु छात्र–छात्राओं को प्रेरित किया। संचालन शिक्षक डॉ. के.के.त्रिपाठी ने किया। इस मौके पर स्कूल के शिक्षक,कर्मचारी और बड़ी संख्या में बच्चे मौजूद रहे।

लोकपाल की जनसुनवाई व संवाद कार्यक्रम का व्यापक असर शुरू

लक्ष्मणपुर ब्लाक के चमरूपुर शुक्लान ग्राम के सचिव को चिन्हित समस्याओं का समाधान कर 27 दिसम्बर तक अवगत कराने का दिया निर्देश

मानधाता के पूरे लाल में 8 जनवरी को लोकपाल की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत द्वारा चौपाल का होगा आयोजन समस्याओं का होगा समाधान

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर की जनसुनवाई का व्यापक व प्रभावी असर शिकायत प्राप्त ग्राम पंचायतों में दिखने लगा है। शुक्रवार को जनसुनवाई व संवाद कार्यक्रम में लोकपाल ने लक्ष्मणपुर ब्लाक के चमरूपुर शुक्लान के पंचायत सचिव ग्राम विकास अधिकारी राजेश सिंह तथा मानधाता ब्लाक के पूरे लाल ग्राम पंचायत के प्रधान, सचिव, रोजगार सेवक तथा परिवादी को ग्राम की समस्याओं व समाधान के सन्दर्भ में अपना पक्षध्बयान देने व अपना पक्ष रखने हेतु तलब किया। लोकपाल ने ग्राम पंचायत चमरूपुर शुक्लान के सचिव राजेश सिंह से गत 2 अक्टूबर को लोकपाल की अध्यक्षता में आयोजित चौपाल में समस्याओं के निवारण हेतु दिए गए निर्देश व सुझाव के अनुपालन के प्रगति की समीक्षा की। परिवादी पवन शुक्ल से भी संवाद किया गया। प्रगति शून्य होने पर लोकपाल ने सचिव राजेश सिंह से जवाब मांगा जिस पर सचिव ने अबिलम्ब अपेक्षित सुधार व समस्याओं का निवारण करके वस्तु स्थिति से 27 दिसम्बर को पुनः उपस्थित होकर अवगत कराने का समय मांगा। जिस पर लोकपाल ने बलीपुर सम्पर्क मार्ग को पूर्ण कराने,सिंधौर मार्ग के नाले पर सुरक्षित व सुव्यस्थित पुलिया निर्माण,शहीद स्मारक स्थल व पार्क का कार्य पूर्ण कराने तथा पंचायत भवन में मनरेगा मजदूरों की सूची बैनर लगाकर सार्वजनिक करने का निर्देश दिया। कार्य की प्रगति आख्या स्वयं उपस्थित होकर 27 दिसम्बर को प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। मानधाता ब्लाक के पूरे लाल के ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों प्रधान रमेश सिंह, सचिव ओम प्रकाश सरोज, रोजगार सेवक राम सिंह तथा ग्राम के नागरिक जय प्रकाश पाल व मनरेगा मजदूर निगरानी समिति के संयोजक रवि सिंह के साथ ग्राम में मनरेगा तथा ग्राम विकास की अन्य योजनाओं में आई शिकायतों की समीक्षा की। ग्राम के समग्र विकास में सभी को अपना योगदान देने का निर्देश दिया। तय हुआ कि अक्रियाशील पंचायत भवन को अबिलम्ब क्रियाशील किया जाए जिससे ग्राम की अपेक्षित सुविधाए ग्राम में ही उपलब्ध हो सके। वहीं सभी से वार्ता करके तय हुआ कि एक सप्ताह के भीतर सक्रिय मजदूरों की सूची ग्राम पंचायत भवन में सार्वजनिक रूप से चस्पा की जाएगी। सभी मनरेगाकर्मियों व प्रधान ने तय किया कि पूरे लाल में 8 जनवरी को ग्राम सभा की खुली बैठक व चौपाल आयोजित ग्राम का विकास तथा समस्या व समाधान पर व्यापक चर्चा करके सभी की भागीदारी से आगे की कार्यनीति व समस्याओं का ठोस व नैसर्गिक समाधान तय किया जायेगा। सभी ने लोकपाल समाज शेखर से अध्यक्षता हेतु अनुरोध किया जिसे उन्होने स्वीकार करते हुए सभी के भागीदारी से सुव्यस्थित नियमानुसार आयोजित करने का निर्देश दिया।

रेनेसां नेक्स्ट जेन लीडर्स अवार्ड से सम्मानित हुई कई विभूतियां

लखनऊ, (संवाददाता)। भारत के उभरते हुए ब्रांड सैम रेनेसां की ओर से लखनऊ में एक भव्य आयोजन किया गया। इसका मुख्य केंद्र सैम रेनेसां फैशन कैलेंडर था। कार्यक्रम के दौरान ही इसे लांच किया गया। इसके अलावा कई लोगों को रेनेसां नेक्स्ट जेन लीडर्स अवार्ड 2024 भी दिए गए। बॉलीवुड अभिनेत्री दिवा मिस अमृता राव सेलिब्रिटी के तौर पर कार्यक्रम के दौरान मौजूद रहीं। लखनऊ शहर के फाइव स्टार होटल हयात रीजेंसी में सैम रेनेसां की संस्थापक सौम्या साहू के अथक प्रयासों से कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम को दीपक पाल, एसआरएस एसोसिएट्स के संस्थापक ने पावर्ड किया था। राहुल गुप्ता ,लखनऊ सर्राफा एसोसिएशन के महासचिव तथा सोने और चांदी के आयातक भाजपा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में भव्य कपूर (लखनऊ की सर्वश्रेष्ठ मेकअप आर्टिस्ट) और सोनिया मेहरोत्रा (मिसेज इंडिया ब्यूटी क्वीन 2017) और वीआईपी अतिथि के तौर पर संजय सिंह जी की मौजूदगी रही। इस कार्यक्रम का निर्देशन श्वेतांक प्रकाश चतुर्वेदी ने किया।

दानिश आंसारी ने किया न्यू क्राफ्ट सिल्क इंडिया प्रदर्शनी का उद्घाटन

लखनऊ, (संवाददाता)। क्रिसमस व नव वर्ष को लेकर भारत का सबसे बड़ा न्यू क्राफ्ट सिल्क इंडिया प्रदर्शनी –2024 का आयोजन पूरे भारत से मास्टर 100 बुनकरों द्वारा बनाए गए एथनिक और पारंपरिक सिल्क, कॉटन हैंडलूम उत्पादों का एक भव्य शो का आज कैसरबाग बारादरी में उद्घाटन राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने किया तत्पश्चात राज्यमंत्री को बुके देकर अयोजक मानस आचार्या ने स्वागत किया इस मौके पर जावेद मकसूद मौजूद रहे कैसरबाग बारादरी में आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन करते माननीय राज्य मंत्री ने कहा यह एक सराहनीय प्रयास है कि एक ही छत के नीचे प्रदेश के विभिन्न राज्यो के उत्पाद लखनऊ वासियों को किफायती दामों में उपलब्धा होते है समय–समय पर ऐसे आयोजनों को लेकर आने वाले प्रदर्शनी के आयोजक मानस आचार्या को बधाई भी दी । इस प्रदर्शनी मी विभिन्न राज्यो से आये बुनकरों से उत्पाद के बारे में जानकारी ली प्रदर्शनी में आये उत्पाद अपने आप मे अलग पहचान रखते है। जिसमे कि सिल्क साड़ी, सूट, ड्रेस मटीरियल, स्टोल, दुपट्टे कुर्ती, शुद्ध और संभावित सिल्क टसर सिल्क, शांतिपुर सिल्क। उड़ीसा संभलपुरी इक्कत सिल्क साड़ी, बिहाररू ओरेग्निक टसर सिल्क साड़ियाँ, सूट और स्टोल, असमरू मुगा और एरी सिल्क साड़ियाँ, कर्नाटकरू क्रेप सिल्क, जॉर्जेट सिल्क, अरीनी सिल्क और मुद्रित साड़ियाँ, तमिलनाडुरू कांजीवरम सिल्क साड़ियाँ और डिजाइनर फैंसी साड़ियाँ , आंध्र प्रदेश धर्मावरा, उप्पादा, गडवाल, मंगलागिरी और पोचमपल्ली साड़ियाँ, उत्तर प्रदेश मुलबारी सिल्क, जामदानी, जामावर सिल्क साड़ियाँ और शिफॉन सिल्क, महाराष्ट्र डिजाइनर पोशाक सामग्री, छत्तीसगढ़ विशेष कच्ची सिल्क साड़ियाँ, कोसा सिल्क, टसर सूट और दुपट्टा, मध्य प्रदेशरू महेश्वरी, चंदेरी सिल्क साड़ियाँ और सूट, पश्चिम बंगालरू बालूचरी, ढाका मसली, गिचा साड़ियाँ, बुटीक साड़ियाँ, कांथा साड़ियाँ, जोरदोशी, जम्मू और कश्मीर चिनॉन सिल्क, टैडी सिल्क प्रिंटेड साड़ियाँ, पश्मीना शॉल और सूट, राजस्थानरू कोटा सिल्क, हैंड ब्लॉक प्रिंट ड्रेस और साड़ियाँ, पंजाबरू फुलकारी ड्रेस और भी बहुत कुछ राज्यमंत्री दानिश आजाद आंसारी ने सभी आर्टीजन्स व प्रदेश वासियों को क्रिसमस व नव वर्ष की बधाई दी।

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (क.श्रे.) गर्वी इलाहाबाद द्वारा निकाली गई उद्घोषणा

उत्तराधिकार वाद संख्या - 305 **सन 2024**

अशरफ उलहुदा पुत्र स्व. जियाउल हुदा निवासी 398 बक्सी बाजार जनपद प्रयागराज

बनाम

अनवारुल हुदा पुत्र स्व. जियाउल हुदा निवासी 398 बक्सी बाजार जनपद प्रयागराज

अपने पिता मृत स्व. जियाउल हुदा को देय ऋण व प्रतिभूतियों वसूल करने के लिए प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिए सन 1889 **ईस्वी के अधिनियम 7 के अधीन 372 भा. उ. अ. का आवेदन अशरफ उलहुदा के लिए का आवेदन के लिए ।**

चूंकि वादी ने प्रमाणपत्र की अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और **सन् 2025 के 01 का 22 दिवस** आवेदन की सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उत्तराधिकार प्रमाण पत्र के आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अधिवक्ता द्वारा **10. बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (क.श्रे.) गर्वी इलाहाबाद** मे नियत दिनांक पर उपसंजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक में अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध यथोचित आदेश पारित होगा।

नियत तिथि - **22/01/2025**

न्यायाधीश

सूचना

प्रार्थी मोहम्मद शमीम पुत्र मंजूर अहमद निवासी चक मोहम्मद उर्फ पूरेसुदी जलालपुर, फूलपुर, प्रयागराज ने एक सम्पत्ति जिसका इन्द्राज बही नं0 1 जिल्द 9116 के पृष्ठ 121 से 140 पर दस्तावेज संख्या 4758 दिनांक 10-05-2022 को उपनिबन्धक फूलपुर, प्रयागराज के कार्यालय में दर्ज है जो कहीं खो गयी है। उक्त बैनामा के विरूद्ध यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो सात (7) दिन के अन्दर निम्नलिखित नम्बर 8957900180, 6392067473 पर सम्पर्क कर अपनी आपत्ति बताये।

मोहम्मद शमीम पुत्र मंजूर अहमद
नि0 चक मोहम्मद उर्फ पूरेसुदी जलालपुर फूलपुर प्रयागराज

बेदखली सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं आसमा बानो पत्नी स्व.मो. इस्तियाक निवासिनी अमिलिया थाना घूरपुर प्रयागराज **अपने बड़े पुत्र इमरान** के कृत्यों से परेशान होकर अपने चल व अचल संपत्ति से **बेदखल करती हूँ** । मेरा बड़ा **पुत्र इमरान व बहू रुकसाना** द्वारा किए गए कार्यों के वह स्वयं जिम्मेदार होंगे । इनसे मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता सरोकार अब आज दिनांक 20/12/2024 से नहीं रह गया है ।

आसमा बानो पत्नी इस्तियाक
निवासी - अमिलिया थाना घूरपुर जिला प्रयागराज ।

सम्पादकीय........

कूटनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण

यह हकीकत है कि चीन भौगोलिक रूप से हमारा पड़ोसी है, हम पड़ोसी नहीं बदल सकते। ऐसे में जरूरी है कि तमाम विसंगतियों के बावजूद अपनी संप्रभुता और हितों की रक्षा के साथ पड़ोसी से रिश्ते बेहतर बनाए जाएं। लंबी खटास व तनातनी के बाद भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच बीजिंग में हुई हालिया बैठक के सार्थक परिणाम सामने आए हैं। बीजिंग में डोभाल व वांग तथा दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधियों की बैठक निश्चित रूप से कूटनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण प्रगति कही जा सकती है। खासकर 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़पों के बाद पांच वर्षों में यह पहली बातचीत, दो एशियाई दिग्गजों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण व सतर्क बदलाव को ही दर्शाती है। दरअसल, इस चर्चा का केंद्र लद्दाख पर अक्तूबर 2024 के समझौते का कार्यान्वयन था। यह सुखद ही है कि दोनों पक्षों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर शांति बनाये रखने की प्रतिबद्धता जतायी। निश्चय ही यह कदम भविष्य में संघर्षों को रोकने के लिये एक महत्वपूर्ण कदम है। बैठक में सीमा व्यापार बढ़ाने, सीमा पार नदियों का डेटा साझा करने तथा कैलाश मानसरोवर की यात्रा को फिर से शुरू करने जैसे क्षेत्रों में सहयोग को गहन करने के उद्देश्य से छह सत्री सहमति पर भी जोर दिया गया। हालांकि, ऐसा भी नहीं है कि इस तरह की सहमति से सारी चुनौतियां एकदम खत्म हो चुकी हैं। निर्विवाद रूप से सीमा विवाद एक संवेदनशील व जटिल मुद्दा बना है। जिसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि आपसी विश्वास में व्याप्त कमी को दूर किया जाए। निश्चित रूप से व्यावहारिक कूटनीति के साथ विश्वास निर्माण के उपायों को कदम दर कदम बढ़ाया जाना चाहिए। हालांकि इन प्रतिबद्धताओं को अमलीजामा पहनाने के लिये सतर्कता के साथ और राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत होगी। बहरहाल, खट्टे–मीठे रिश्तों और लंबी कटुताओं के बावजूद इस बैठक के निहितार्थों को व्यापक संदर्भों में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। निर्विवाद रूप से चीन आज दूसरी बड़ी वैश्विक शक्ति है। भारत ने भी आर्थिक व अन्य क्षेत्रों में आशातीत प्रगति की है। इसके बावजूद दोनों ही देश वैश्विक शक्ति की बदलती गतिशीलता से जूझ रहे हैं। खासकर अमेरिका में होने जा रहे राजनीतिक परिवर्तन से उबरने वाली आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर। ऐसे में बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को दोनों देशों की एकजुटता प्रभावित करने की क्षमता रखती है। खासकर व्यापार, प्रौद्योगिकी तथा ब्रिक्स जैसे बहुपक्षीय प्लेटफॉर्मों में सहयोगात्मक पहल से क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। निस्संदेह, दोनों देशों की सीमा पर शांति की पहल एक शुरुआत मात्र है। इसके उपरांत दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क, व्यापार बाधाओं व असंतुलन को दूर करना वक्त की जरूरत है। हमें सांस्कृतिक सहयोग के जरिये दोनों देशों के संबंधों को नए सिरे से परिभाषित करने का लाभ उठाना चाहिए। विश्वास कायम करने और संघर्ष की छाया दूर करने के लिये ऐसे सकारात्मक कदम जरूरी हैं। निस्संदेह, रिश्तों को सामान्य बनाने का रास्ता लंबा है, लेकिन सार्थक संवाद से अधिक सामंजस्यपूर्ण भविष्य की आशा लगातार बनी रहती है। भारत और चीन के लिये शांति सिर्फ एक आदर्श मात्र नहीं बल्कि एक अपरिहार्य आवश्यकता है। निस्संदेह, भारत और चीन के बीच हुई यह तेईसवीं मुलाकात नई उम्मीद जगाती है। उल्लेखनीय है कि भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री के बीच यह बातचीत कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद लिए गए फैसले के अनुरूप ही हुई है। जिसमें सीमा क्षेत्रों में शांति और सौहार्द की बहाली और सीमा विवाद का उचित समाधान तलाशने पर सहमति बनी थी। उम्मीद की जानी चाहिये कि संक्रमण के दौर से गुजर रहे वैश्विक परिदृश्य में भारत व चीन एकजुट होकर निर्णायक भूमिका निभाएंगे। यह स्थिति दोनों देशों के हित में ही कही जाएगी।

बेलगाम आयात ने किया रुपये का बंटाधार

डॉ. ज्ञान पाठक

बजट 2024–25 में सोने के पक्ष में नीतिगत उपायों के लिए भारत सरकार द्वारा आगे लाये गये तर्कों में से एक था भारतीय रुपये की कमजोरियों को दूर करना, लेकिन 18 दिसम्बर को यह ऐतिहासिक निचले स्तर 85.17 रुपये प्रति डॉलर तक गिर गया। उसके एक दिन पहले सुबह के कारोबार में यह 84.93 रुपये प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया था। दूसरा तर्क यह दिया गया था कि सोना और अधिक किफायती हो जायेगा, लेकिन इसकी दर 77,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गयी। इसके अलावा, सोने का आयात चार गुना से अधिक बढ़ गया, जिससे नवंबर में व्यापार घाटा रिकॉर्ड उच्च स्तर 37.9अरब डॉलर पर पहुंच गया। नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि नवंबर 2024 में 14.9अरब डॉलर का सोना आयात किया गया, जबकि एक साल पहले नवंबर 2023 में यह 3.5 अरब डॉलर था, जिससे यह भारत के आयात बास्केट में पेट्रोलियम के बाद 21 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ दूसरा सबसे बड़ा आयातित पदार्थ हो गया। गैर–तेल निर्यात से होने वाला लाभ सोने के आयात खर्च में ही सफा–चट (खत्म) हो गया। सोने पर बेतहाशा बहुमूल्य विदेशी मुद्रा खर्च की जा रही है। नवंबर में भारत का आयात लगभग 70अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च मूल्य पर पहुंच गया। रिकॉर्ड व्यापारिक व्यापार घाटा पिछले महीने अक्टूबर में 27.14 अरब डॉलर से बढ़कर 37.84अरब डॉलर और नवंबर

2023 में 21.31अरब डॉलर हो गया। केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों ने सोने के आयात में उछाल का कारण वैश्विक कीमतों में भारी वृद्धि और इसकी सुरक्षित पनाहगाह की स्थिति को बताया है, ऐसे समय में जब स्टॉक मार्केट अस्थिर बना हुआ है।सोने पर कम सीमा शुल्क ने सोने के आयात में जबरदस्त योगदान दिया। केंद्रीय बजट 2024–25 में सोने पर आयात शुल्क 1 जुलाई 2022 से 15 प्रतिशत से घटाकर 6 प्रतिशत कर दिया गया था। यह जून 2013 के बाद से सबसे कम है, जब यह 8 प्रतिशत था। 13 अगस्त 2013 को इसे बढ़ाकर 10 प्रतिशत कर दिया गयाय 6 जुलाई 2019 को 12.88 प्रतिशतय 2 फरवरी 2021 को घटाकर 10.75 प्रतिशतय और 1 जुलाई 2022 को इसे बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया। आइए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में पिछले एक दशक के दौरान डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत पर एक नजर डालते हैं। 2013 में यह 54.78 रुपये प्रति डॉलर था, लेकिन 2019 में गिरकर 72.15 रुपये, 2021 में 75.45 रुपये, 2022 में 81.62 रुपये और 17 दिसंबर 2024 को सुबह के कारोबार में 84.93 रुपये पर आ गया, तथा 18 दिसम्बर को 85.17 रुपये के ऐतिहासिक स्तर तक नीचे गिर गया। सोने पर आयात शुल्क कम करते समय सरकार की ओर से कहा गया था कि इससे सोने की कीमतें कम होंगी और आम लोगों के लिए सोना अधिक किफायती हो जायेगा, जिससे घरेलू मांग और निर्यात को बढ़ावा मिल सकता है। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ, बावजूद इसके कि सोने की कीमतों में शुरुआती 9 फीसदी की गिरावट के साथ 74,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से 68,000 रुपये पर आ गयी। कुछ ही हफ्तों में सोने की कीमतें फिर से बढ़ने लगीं और आज यह 77,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है। भारत में 2010 में सोने की कीमत 18,000 रुपये प्रति 10 ग्राम थी, जो 2018 में बढ़कर 31,391 रुपये, 2019 में 39,108 रुपये, 2020 में 50,151 रुपये, 2022 में 52,670 रुपये और 2023 में 63,820 रुपये हो गयी। केंद्रीय बजट 2024–25 में सोने पर कुल सीमा शुल्क 15प्रश से घटाकर 6प्रश कर दिया गया था और सोने के डोरे पर 14.35प्रश से घटाकर 5.35प्रश। यह रिकॉर्ड पर सबसे बड़ी कटौती थी। आयात शुल्क में कटौती के अलावा, सरकार ने सोने पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ के लिए होल्डिंग अवधि को भी 36 महीने से घटाकर 24 महीने कर दिया है। दीर्घ अवधि के लाभ की दर भी इंडेक्सेशन के साथ 20 प्रतिशत से घटाकर 12.5 प्रतिशत कर दी गयी। गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड म्यूचुअल फंड को बाहर करने के लिए निर्दिष्ट म्यूचुअल फंड की परिभाषा में संशोधन किया गया। 2023–24 के केंद्रीय बजट में, गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड म्यूचुअल फंड को शनिर्दिष्ट म्यूचुअल फंड माना गया और होल्डिंग अवधि की परवाह किए बिना लागू स्लैब–दर पर अल्पकालिक पूंजीगत लाभ के रूप में लाभ पर कर लगाया गया। इसके अलावा, सूचीबद्ध प्रतिभूतियों के लिए दीर्घ अवधि के पूंजीगत लाभ के लिए निर्दिष्ट अवधि को 36 महीने से घटाकर 12 महीने और गैर–सूचीबद्ध प्रतिभूतियों के लिए 24 महीने कर दिया गया। यदि 12 महीने से अधिक समय तक रखा जाता है और सूचीबद्ध है, तो गोल्ड ईटीएफध्म्यूचुअल फंड के लिए कर घटाकर 12.5 प्रतिशत की निचली दर कर दिया गया। गैर–सूचीबद्ध गोल्ड म्यूचुअल फंड को भी 24 महीने से अधिक समय तक रखने पर दीर्घकालिक निवेश माना जाना था और 12.5प्रश की निचली दर पर कर लगाया जाना था। केंद्रीय बजट में कहा गया है कि संशोधन 1 अप्रैल 2026 से लागू किया जायेगा। मौजूदा स्वर्ण नीति विदेशों में सोने की खरीदारी को भी प्रोत्साहित करती है। हालांकि, विदेशों से शुल्क मुक्त सोने की खरीद की सीमाएं हैं। पुरुष यात्री विदेशों से 20 ग्राम शुल्क मुक्त सोना ला सकते हैं। 20 से 50 ग्राम के बीच सोने पर सीमा शुल्क 3 प्रतिशत, 50 से 100 ग्राम पर 6 प्रतिशत और 100 ग्राम से अधिक पर 10 प्रतिशत है। महिला यात्रियों के लिए शुल्क मुक्त सोने की सीमा 40 ग्राम है। 40 से 100 ग्राम के बीच की मात्रा पर 3 प्रतिशत सीमा शुल्क, 100 से 200 ग्राम के बीच 6 प्रतिशत और 200 ग्राम से अधिक पर 10 प्रतिशत सीमा शुल्क लगाया जाता है। 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए नियम महिलाओं के समान ही हैं। यात्रियों के लिए 20 ग्राम से कम सोने की छड़ों पर कोई सीमा शुल्क लागू नहीं होता है। 20 से 100 ग्राम के बीच सोने की छड़ों के लिए सीमा शुल्क 3 प्रतिशत है, 1 किलोग्राम सोने की छड़ के लिए यह 10 प्रतिशत है। 100 ग्राम सोने के सिक्के पर सीमा शुल्क 10 प्रतिशत है, और 20 से 100 ग्राम सोने के सिक्कों के लिए यह 10 प्रतिशत है। 10 ग्राम से कम सोने के सिक्के पर कोई शुल्क लागू नहीं है। भारत में सोने की खरीद पर 3 प्रतिशत जीएसटी, आयात शुल्क और सीमा शुल्क लागू होते हैं, जिससे खरीद महंगी हो जाती है, जिससे उपभोक्ता व्यवहार और निवेश निर्णय प्रभावित होते हैं। इसलिए अमीर लोग बहुत बड़ी मात्रा में सोना आयात कर रहे हैं, जिससे रुपया कमजोर हो रहा है और व्यापार घाटा बढ़ रहा है। ऐसा लगता है कि उन्हें भारत के आम लोगों की कोई चिंता नहीं है। सोने का ऐसा बेलगाम आयात अर्थव्यवस्था के लिए खतरनाक है।

संसद के लिए काला दिवस

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा संविधान निर्माता बीआर अंबेडकर पर की गयी टिप्पणी से संसद से लेकर सड़क तक बवाल मचा हुआ है। इस पर खेद जताना तो दूर, भारतीय जनता पार्टी विपक्ष पर ही आरोप लगा रही है। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को राज्यसभा में शाह ने यह कहकर कांग्रेस और विपक्ष पर अशालीन टिप्पणी की थी कि आजकल अंबेडकर का नाम लेना एक फैशन हो गया है। अंबेडकर... अंबेडकर... अंबेडकर... अंबेडकर! इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता। नाराज विपक्ष ने बुधवार को संसद के दोनों सदनों में इस मामले को पुरजोर तरीके से उठाया और शाह से न केवल माफी बल्कि इस्तीफे की भी मांग की थी। पूरे देश में इसे लेकर उनके प्रति नाराजगी देखी गई परन्तु धृष्टता का परिचय देते हुए शाह ने अपनी प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि अगले 15 वर्षों तक मल्लिकार्जुन खरगे उसी जगह पर बैठेंगे जहां अभी हैं। यानी विपक्ष में रहेंगे। खरगे का उन्होंने इसलिये उल्लेख किया क्योंकि उन्होंने शाह से माफी की मांग की थी। भाजपा की हठधर्मिता एवं अहंकार का मिला–जुला रूप गुरुवार को देखने को मिला जब विपक्षी सदस्य नीले कपड़े पहनकर और हाथों में बाबा साहेब अंबेडकर की तस्वीरें लिये हुए मकर द्वार

से संसद के भीतर जा रहे थे। अनेक भाजपा सदस्यों ने उनका रास्ता रोक लिया। इस धक्का–मुक्की में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे नीचे गिर गये जिन्हें राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, कांग्रेस सासंद वर्षा गायकवाड़ आदि ने सम्हालने की कोशिश की। इसे लेकर खरगे ने लोक सभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की है। अभी तीन दिन पहले ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने निर्देश दिये थे कि किसी भी सदस्य को कोई भी संसद प्रवेश करने से नहीं रोकेगा। गुरुवार को विपक्षी सांसदों को रोकने की कोशिश जिन सदस्यों ने की, वे भाजपायी थे। गुरुवार का वाकया बतलाता है कि भाजपा के सांसद उनके कितने कहने में हैं। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेसियों द्वारा की गयी धक्का–मुक्की से भाजपा के दो सांसद घायल हो गये हैं। इनमें से एक प्रताप सारंगी ने आरोप लगाया है कि राहुल गांधी ने एक सांसद को धक्का दिया जो उन पर आकर गिरा। इसके कारण उनके सर पर चोट आई है। ऐसे ही, मुकेश राजपूत भी घायल हुए हैं। बताया गया है कि उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जख्मी सांसदों का हाल–चाल जाना। वैसे राहुल ने कहा कि खरगे को धक्का दिया जा रहा था। उन्होंने बताया कि भाजपा के सांसद उन्हें भी धमका रहे थे और प्रियंका को भी रोकने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष को बचाया। अब भाजपायी सांसद राहुल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग कर दबाव डालना चाहते हैं। उनके विरूद्ध भी भाजपा विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रही है।

इस मामले को लेकर सदन के भीतर भी जमकर विवाद हुआ। जहां एक ओर विपक्ष शाह के माफी व इस्तीफे की मांग पर अड़ा रहा वहीं भाजपा प्रतिपक्ष पर ही झूठ का सहारा लेने का आरोप लगाती रही। इसके कारण जमकर हुए हंगामे के बाद सदनों की कार्यवाही चलनी मुश्किल हो गयी। दोनों सदनों को शुक्रवार तक के लिये स्थगित कर दिया गया। इस सारे मामले को सम्भवतः मोदी, ओम बिड़ला एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ बढ़ते हुए देखना चाहते हैं। इसलिये उन तीनों की ओर से कोई गम्भीर पहल नहीं की गयी कि उभय पक्षों को बिठाकर सुलह करायी जाये। बाद में अवश्य बिड़ला ने कहा कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। उन्होंने सभी सदस्यों से परम्पराओं के पालन एवं संयम बरतने की अपील की। वहीं मोदी ने तो एक्स पर पोस्ट किया कि कांग्रेस मुद्दे को तोड़–मरोड़कर पेश कर रही है। उन्होंने शाह का वीडियो यह कहकर पोस्ट किया कि इसे अवश्य देखा जाना चाहिये। इस तरह वे आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। भाजपा का यह रुख इसलिये दोहरा कहा जा सकता है कि एक्स ने खुलासा किया है कि सरकार की ओर से कहा गया था कि राज्यसभा में शाह के बयान वाले वीडियो को हटा दिया जाये। एक्स ने साफ किया कि वह अभिव्यक्ति की आजादी की पक्षधर है इसलिये वह ऐसा नहीं करेगा। शाह के वीडियो को हटाने के लिये कहना यही बतलाता है कि भाजपा अब इस मामले में खुद को घिरा हुआ मान रही है। अपनी गलती स्वीकार कर क्षमा मांगने की बजाये वह और भी अधिक धृष्टता पर उतर आई है। इस मामले को लेकर भाजपा पर चौतरफा हमले हो रहे हैं।

बाबा साहेब अंबेडकर के नाती प्रकाश अंबेडकर ने कहा कि इस बयान से भाजपा की पुरानी मानसिकता सामने आ गयी है। समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन ने भी चेतावनी दी है कि अंबेडकर का अपमान किसी भी सूरत में सहन नहीं किया जायेगा। देश भर में कई संगठनों एवं नेताओं ने शाह के प्रति रोष जाहिर किया है। कांग्रेस ने इसे लोकतंत्र की हत्या कहा है तो वहीं भाजपा अपने किये पर यह कहकर पर्दा डालने की कोशिश कर रही है कि यह राहुल की अराजकता है। जो भी हो, इस घटना ने भाजपा का फासीवादी चेहरा साफ उजागर कर दिया है। विपक्षी सांसदों को रोकना भाजपा सदस्यों का काम नहीं है और न उन्हें रोका जा सकता है। यह विपक्ष की आवाज को दबाने की उसकी चिर–परिचित शैली है जो देश कई बार देख चुका है। लेकिन गुरुवार को संसद में हुई धक्का मुक्की साफ तौर पर काले अध्याय की तरह दर्ज होगी।

कांग्रेस के लिए उपदेश की कमी नहीं है

अरविन्द मोहन

अगर उमर अब्दुल्ला के बयान का मतलब नेशनल कांफ्रेंस का आधिकारिक बयान है तो अभिषेक बनर्जी के बयान को भी तृणमूल कांग्रेस का आधिकारिक बयान मानना चाहिए। और हम आप मानें न मानें लेकिन जब इवीएम के दुरुपयोग के सवाल पर उम्र अब्दुल्ला के बाद अभिषेक बनर्जी भी मिलता जुलता बयान दे रहे हैं तो कम से कम कांग्रेस को तत्काल इसका नोटिस लेना चाहिए। यह सवाल कॉग्रेस या राष्ट्रवादी कांग्रेस और समाजवादी पार्टी द्वारा हरियाणा और फिर महाराष्ट्र के नतीजों के बाद वोटिंग मशीन के दुरुपयोग पर उठाए जाने वाले हंगामे के बाद ही विपक्षी शइंडियाञ् गठबंधन के नेतृत्व के सवाल पर एक दौर में सभी गैर कांग्रेसी साझीदारों द्वारा ममता बनर्जी को नेता बनाने की मांग के साथ सामने आया है। इसमें कांग्रेस या सपा–राजद जैसे विपक्षी दलों द्वारा चुनाव हारने के बाद (और उसी मशीन से चुनाव जीतने के बाद चुप्पी साध लेने) वोटिंग मशीन पर सवाल उठाने का सवाल भी है लेकिन कहीं न कहीं कांग्रेस पर दबाव बनाने की मंशा भी शामिल है। जब से मौजूदा सरकार ने चुनाव आयुक्तों के चुनाव के पैनल से सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को हटाकर केन्द्रीय गृहमंत्री को सदस्य और चयन समिति में सरकार के साफ बहुमत की व्यवस्था की है तब से कांग्रेस ही नहीं लगभग पूरा विपक्ष आयोग के फैसलों और चुनाव के नतीजों को लेकर शंका जाहिर करता रहा है लेकिन उसने कभी भी इसे आर–पार की लड़ाई का सवाल नहीं बनाया है। इसलिए उसकी मांगों का वजन हल्का होता गया है। कांग्रेस नेतृत्व पर इस सवाल को उठाने के साथ इंडिया गठबंधन के कामकाज को व्यवस्थित करने और नेता चुनने का दबाव अभी ज्यादा लग रहा है और वह भी स्वाभाविक है। क्योंकि चुनावों के चक्कर में वह इस विपक्षी गठबंधन के कामकाज को व्यवस्थित करना भूल गई थी। एक तो कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे इंडिया के संयोजक हैं और उन्होंने लंबे समय से कोई बैठक नहीं बुलाई है। दूसरे इस बीच विपक्षी गठबंधन के बीच खटर–पटर की खबरें भी आती रही हैं। और अब तो यह पक्का लग रहा है कि दिल्ली विधान सभा चुनाव में आप और कांग्रेस अलग–अलग ही लड़ेंगे। कहां तो अब तक एक साझा नीति वक्तव्य और कार्यक्रम तय हो जाना चाहिए था और कहां अभी हर चीज बिखरी ही दिखती है। बल्कि जो चीजें लोक सभा चुनाव के नतीजों के बाद व्यवस्थित लग रही थीं उनमें भी गड़बड़ नजर आने लगी है। कांग्रेस और सपा के, कांग्रेस और राजद के, कांग्रेस और नेशनल कान्फ्रेंस के तथा कांग्रेस और द्रमुक के रिश्तों में निश्चित रूप से गिरावट आई है। आप की चर्चा पहले की ही जा चुकी है और अब बगावती ममता बनर्जी के तेवर और कठोर हुए हैं। इन सबका रिश्ता हरियाणा और महाराष्ट्र ही नहीं जम्मू–कश्मीर विधान सभा चुनाव में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन से है। और आगे दिल्ली या बिहार विधान सभा चुनाव में भी उसके कोई बहुत अच्छा करने की उम्मीद नहीं है। कांग्रेस के चुनावी प्रदर्शन से भी ज्यादा खराब प्रदर्शन इंडिया गठबंधन के नेतृत्व के मामले में हुआ है। कांग्रेस और खास तौर पर राहुल गांधी ने सवालों पर ज्यादा उदारता दिखाई है लेकिन व्यवस्थित फैसले कराने में उनकी भी रुचि नहीं लगती। जिस गठबंधन को नीतीश कुमार ने सबकी इच्छा के अनुसार चुटकी बजाते खड़ा कर दिया था वह खुद नीतीश को साथ न रख पाया। और आज यह हालत है कि खुद कांग्रेस गरीब की जोरू वाली स्थिति में है जिसे हर कोई उपदेश पिला रहा है। कभी कोई शिव सैनिक कांग्रेस से खानदानी दुश्मनी की याद दिलाता है तो कभी अबू आजमी भी चार फटकार लगा देते हैं। ममता तो बहुत बड़ी हैं पर इंडिया गठबंधन के नए नेता लोग भी कांग्रेस को सीख देने में पीछे नहीं रहते। कांग्रेस के सबसे भरोसेमंद साथी लालू यादव भी ममता को नेता बनाने की वकालत कर चुके हैं। बल्कि इस सवाल पर अकेले तेजस्वी यादव ने संतुलित बयान दिया कि ममता को नेता मानने में उज्र नहीं है लेकिन फैसला तो सबकी सहमति से ही होगा। कांग्रेस पर भाजपा की तरफ से लगातार हमले जारी हैं तो इसलिए नहीं कि लोक सभा के अच्छे प्रदर्शन के बाद कांग्रेस कुछ कमजोर पड़ी है और जीत से भाजपा की हताशा खत्म हुई है। भाजपा की रणनीति इंडिया गठबंधन के साझीदारों की तरह कांग्रेस पर ज्यादा दबाव बनाकर कुछ सौदेबाजी कर लेने की भी नहीं है। उसे कांग्रेस और राहुल के रूप में ही अपना सबसे बड़ा दुश्मन नजर आता है। क्षेत्रीय पार्टियां भले उसे चुनाव में ज्यादा गंभीर चुनौती दें लेकिन पूरी राजनीति में आज उसे सिर्फ कांग्रेस और राहुल गांधी या गांधी नेहरू परिवार से ही चुनौती मिलती है इसलिए वह तो अपना हमला तेज करेगी ही। और मात्र संयोग नहीं है कि मीडिया और अनेक संस्थाओं से उसे समर्थन मिलता है जबकि कांग्रेस इन सबको भी दुश्मन बनाए हुई है। कांग्रेस भी किन मुद्दों को सामने करके भाजपा को बैकफुट पर धकेले यह उसकी आंतरिक चर्चा और बाहर की चर्चा का विषय हो सकता है। लेकिन हर तरफ से कांग्रेस और खास तौर से राहुल को उपदेश पिलाया जा रहा है। इस सब में हर्ज नहीं है लेकिन कुछ बड़े सवाल हैं कि राहुल और कांग्रेस कुछ सीखते क्यों नहीं। वे पार्टी संगठन और इंडिया गठबंधन के सांगठनिक स्वरूप पर ध्यान क्यों नहीं देते। उनके बोलने का विषय कौन तय करता है, उनके राजनैतिक कार्यक्रम कौन बनाता है। वे क्यों बार–बार संघ परिवार द्वारा बिछाए सावरकर वाले जाल में फंसते हैं जबकि यह सब सेटल मैटर है। वे क्यों चुनावी पराजय के बाद भी जाति का राग आलाप रहे हैं जबकि दलित–पिछड़ा–महिला विरोधी होकर भी भाजपा और संघ इन समूहों में अपनी पकड़ मजबूत करते जा रहे हैं। आर्थिक नीतियों के सवाल को राहुल क्यों अदानी तक सीमित कर रहे हैं। क्या यह सिलसिला मनमोहन राज में शुरू नहीं हुआ था और पिछड़ों के मामले में कांग्रेस का रिकार्ड क्या है।

सिर्फ रिकार्ड ही रोक सके ऐसा भी नहीं है लेकिन सिर्फ जुबानी जमाखर्च से पिछड़ा दलित आदिवासी आपके पीछे गोलबंद हों जाए यह भी संभव नहीं है। और सबसे बढ़कर यह है कि राहुल छोटी–छोटी सफलताओं से इतना इतराते क्यों हैं (हालांकि बड़ी से बड़ी पराजय की परवाह न करके आगे बढ़ना उनका गुण है)। संसद में एक अच्छा भाषण देकर अपने दोस्तों को आंख मारना या अमेरिका यात्रा में भारत में एजेंडा सेटिंग का दावा करना ऐसे ही मामले हैं। जाहिर है उनके करीब जमा बैठा दल उनसे काफी कुछ ऐसा करा रहा है जो उनको नहीं करना चाहिए। ऐसे में उनको भाजपा,संघ परिवार के साथ लड़ने, इंडिया गठबंधन के दबावों को साधने और पार्टी संगठन में अपने आसपास घेरेबंदी करने वाले जमात से एक साथ लड़ाई लड़नी होगी।

शाकाहारी बनने वाली बात पर भड़कीं

साई पल्लवी

कानूनी कार्रवाई करूंगी, 'रामायण' के लिए मांस छोड़ने की खबर थी

पिछले दिनों खबरें आई थीं कि साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी ने फिल्म रामायण के लिए मांसाहारी खाना छोड़ दिया है। इस बीच, एक्ट्रेस ने इन खबरों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है और इन्हें खारिज करते हुए ऐसी अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की बात भी कही है। साई पल्लवी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लंबा नोट लिखते हुए इसकी आलोचना भी की है। उन्होंने लिखा, श्जब भी मैं सोशल मीडिया पर कोई गलत खबर देखती हूं, तो ज्यादातर मेरी कोशिश रहती है कि उसे नजर अंदाज करके चुप रहूं। लेकिन लगता है कि अब समय आ गया है कि मैं भी कुछ झूठी खबरों पर अपना रिएक्शन दूं, क्योंकि झूठ लगातार फैलाया जाता है और यह रुकता नहीं है। सबसे बड़ी बात यह है कि ऐसा अक्सर मेरी फिल्मों की रिलीज, घोषणाओं या मेरे करियर के यादगार पलों के आसपास होता है। तो, अगली बार जब मैं किसी फेमस पेज या मीडिया को ऐसा करते हुए देखूंगी, तो मुझे उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करनी पड़ेगी।' जानिए क्या है पूरा मामला? दरअसल, एक तमिल दैनिक ने अपनी खबर में कहा था कि साई पल्लवी फिल्म रामायण में माता सीता का किरदार निभा रही हैं, और इसके चलते उन्होंने मांसाहारी खाना छोड़ दिया है। इसके अलावा, यह भी दावा किया गया था कि जब भी एक्ट्रेस यात्रा करती हैं, तो वह केवल शाकाहारी भोजन ही पसंद करती हैं। मैं हमेशा के लिए शाकाहारी हूं– साई पल्लवी एक इंटरव्यू में भी साई पल्लवी ने कहा था कि वह हमेशा के लिए शाकाहारी हैं। उनसे यह सहन नहीं होता जब किसी जानवर की मौत होती है। वह किसी को तकलीफ नहीं दे सकती और नहीं सोच सकती कि यह ठीक है। भगवान राम के किरदार में दिखेंगे रणबीर फिल्म रामायण में रणबीर कपूर भगवान राम का किरदार निभाएंगे और पल्लवी सीता का किरदार निभाएंगी। वहीं, सुपरस्टार यश रावण की भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म दो पार्ट में रिलीज होगी, जिसका पहला पार्ट 2026 में दिवाली के मौके पर रिलीज होगा और दूसरा पार्ट 2027 में रिलीज होगा। इसके अलावा टीवी एक्टर रवि दुबे भी फिल्म में लक्ष्मण की भूमिका में नजर आएंगे। नितेश तिवारी की रामायण में नजर आएंगे रवि दुबेरूएक्टर ने दी अपने किरदार की जानकारी, वाइफ सरगुन को भी नहीं पता था उनका रोल टीवी एक्टर रवि दुबे, नितेश तिवारी की फिल्म रामायण में नजर आएंगे। एक्टर ने एक इंटरव्यू के दौरान फिल्म में अपने रोल को लेकर कई खुलासे किए हैं। रणबीर कपूर और साई पल्लवी स्टारर रामायण में रवि दुबे लक्ष्मण की भूमिका निभाएंगे। साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी, नितेश तिवारी की श्रामायणश में रणबीर कपूर के साथ सीता का रोल करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। पहले ऐसी खबरें आई थीं कि एक्टर ने फिल्म के लिए मांसाहारी खाना छोड़ दिया है। हालांकि, उन्होंने अब उन रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया है और आगे किसी भी अफवाह के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। बुधवार को, साई पल्लवी ने एक्स पर एक लंबा नोट लिखा और रामायण में सीता की भूमिका निभाने के लिए शाकाहारी बनने की खबर की आलोचना की। श्ज्यादातर बार, लगभग हर बार, जब भी मैं आधारहीन अफवाहेंध्मनगढ़ंत झूठध्गलत बयान देखती हूं जो बिना किसी मकसद के (भगवान जाने) फैलाए जाते हैं तो मैं चुप रहना पसंद करती हूं लेकिन अब समय आ गया है कि मैं इस पर प्रतिक्रिया दूं। ये लगातार होता रहता है और रुकता नहीं है, खासकर मेरी फिल्मों की रिलीजध्घोषणाओंध्मेरे करियर के यादगार पलों के आसपास ही ये होता है। अगली बार जब मैं किसी प्रतिष्ठित पेज या मीडियाध्व्यक्ति को मनगढ़ंत घटिया कहानी कहते हुए देखूंगी, समाचार या गपशप के नाम पर ऐसा किया तो आप कानूनी रूप से मुझसे सुनेंगे!श साई पल्लवी को शाकाहारी कहने पर भड़कीं एक्ट्रेस यह बात तब सामने आई जब एक तमिल दैनिक ने अपनी खबर में कहा कि एक्ट्रेस ने मांसाहारी खाना छोड़ दिया है, क्योंकि वह सीता माता की भूमिका निभा रही हैं। इसमें आगे दावा किया गया कि वह अपनी यात्राओं के दौरान रसोइयों की अपनी टीम के साथ यात्रा करती हैं।

इस साल, दर्शकों ने बॉक्स ऑफिस पर कुछ मेजर ब्लॉकबस्टर के साथ–साथ छोटे और बड़े स्क्रीन पर क्रिटिक्स द्वारा सराही गई कई फिल्में भी देखी हैं. इन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी खासी छाप छोड़ी तो वहीं डिजिटल स्पेस में भी इन्हें काफी सराहा गया. ये फिल्में अपने–अपने तरीके से अलग–अलग वजहों से सुर्खियां बटोरने में कामयाब रहीं. वहीं श्रद्धा कपूर स्टारर 'स्त्री 2' से लेकर प्रभास की 'कल्कि 2898 एडी' और ऑस्कर–नॉमिनेटेड 'लापता लेडीज' सहित कई फिल्मों को ळववहसम पर सबसे ज्यादा सर्च किया गया. अगर 2024 की टॉप 10 सबसे ज्यादा गूगल पर सर्च की गई फिल्मों को अभी तक नहीं देख पाए हैं तो चलिए यहां आपको बताते हैं कि आप ओटीटी पर इन फिल्मों को कहां देख सकते हैं. श्स्त्री 2श ओटीटी पर कहां है अवेलेबल श्स्त्री 2श साल की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक है. इस हॉरर कॉमेडी फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था और राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर स्टारर इस फिल्म ने भी बॉक्स ऑफिस पर छप्परफाड़ कमाई की थी.श्स्त्री 2श साल 2024 की सबसे ज्यादा सर्च की गई फिल्मों की लिस्ट में टॉप है. अगर आपने अभी तक ये फिल्म नहीं देखी है तो इसे आप ओटीटी के प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं. कल्कि 2898 एडी ओटीटी पर कहां देखें कल्कि 2898 एडी में प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन, कमल हासन और दिशा पटानी सहित कई कलाकारों ने अहम रोल प्ले किया था. ये फिल्म भी ब्लॉकबस्टर रही थी. कल्कि 2898 एडी भी साल की सबसे ज्यादा सर्च की गई फिल्मो की लिस्ट में दूसरे नंबर पर है. इस मूवी को ओटीटी पर प्राइम वीडियो या नेटफ्लिक्स पर एंजॉय किया जा सकता है. 12वीं फेल ओटीटी पर कहां हो रही स्ट्रीम विक्रांत मैसी की 12वीं फेल को क्रिटिक्स और ऑडियंस से काफी तारीफ मिली थी. कम बजट में बनी इस इंस्पिरेशनल फिल्म ने भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म किया था. ये फिल्म भी साल 2024 की सबसे ज्यादा सर्च की गई मूवी है. इसे आप ओटीटी पर डिज्नी प्लस हॉट स्टार पर देख सकते हैं. लापता लेडीज को ओटीटी पर कहां देखें दो दुल्हनों के ट्रेन में लापता होने की कहानी पर बनी लापता लेडीज की भी हर किसी ने सराहना की थी. आमिर खान द्वारा प्रोड्यूस और किरण राव निर्देशित इस फिल्म को ऑस्कर के लिए भी नॉमिनेशन मिला है. लापता लेडीज भी साल 2024 में गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च की गई। फिल्मों में चौथे नंबर पर है. इसे आप ओटीटी के प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं. हनु मैन ओटीटी पर कहां हो रही स्ट्रीम तेजा सज्जा स्टारर हनुमैन को भी दर्शकों ने काफी पसंद किया था. इस फिल्म ने भी बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त परफॉर्म किया. साल 2024 में हनुमैन भी गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च की गई पांचवीं फिल्म है. इसे आप ओटीटी पर जियो सिनेमा, जी5, और डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर देख सकते हैंमहाराजा ओटीटी पर कहां देखेंविजय सेतुपति और अनुराग कश्यर स्टारर महाराज भी साल 2024 की मोस्ट सर्च की गई फिल्मों की लिस्ट में 6ठे नंबर पर है. इस फिल्म की कहानी ने दर्शकों का दिल जीत लिया था. इसे आप ओटीटी के दिग्गज प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं.मंजुम्मेल बॉयज ओटीटी पर कहां है अवेलेबल मंजुम्मेल बॉयज साल 2024 की गूगल पर सर्च की गई फिल्मों की लिस्ट में सातवें नंबर पर है।

एक्ट्रेस अशनूर कौर की फिल्म शकिसको था पताश जल्द ही रिलीज होने वाली है। इस फिल्म का डायरेक्शन फिल्ममेकर अनुभव सिन्हा की पत्नी, रत्ना सिन्हा ने किया है। अशनूर इससे पहले रणबीर कपूर की शसंजूश और तापसी पन्नू की शमनमर्जियांश में सपोर्टिंग एक्टर के तौर पर काम कर चुकी हैं। हालांकि, यह उनकी पहली फिल्म बतौर लीड होगी। हाल ही में दैनिक भास्कर से बातचीत के दौरान, एक्ट्रेस ने अपने शूटिंग अनुभव और फिटनेस चौलेंज के बारे में खुलकर बात की। अशनूर ने बताया कि कैसे चोट की वजह से शूटिंग के दौरान उनका वजन बढ़ गया था। वह अपनी फिटनेस के प्रति बहुत सतर्क थीं। उन्होंने कहा, शमुझे घुटनों में चोट लग गई थी, इसलिए शूटिंग के दौरान मेरी फिटनेस रूटीन रुक गई थी। अगले दिन एक बाइक सीक्वेंस शूट होना था, जो कि स्क्रिप्ट में नहीं था, लेकिन मैंने डायरेक्टर को बताया कि मुझे बाइक चलानी आती है और मैं कर सकती हूं। वह सीन खास तौर पर शामिल किया गया था। फिर अगले दिन ही शूट नहीं हो सका क्योंकि मेरी चोट के कारण मुझे काफी दर्द हो रहा था। मेरी फिटनेस रूटीन भी रुक गई, तो मुझे अपनी डाइट को लेकर और सतर्क होना पड़ा। अगर आप फिल्म देखेंगे तो शायद आपको मेरी फ्लक्टूएटिंग फिजिक नजर आए। कभी ज्यादा वजन दिख रहा था तो कभी नॉर्मल। इसलिए, शूटिंग के दौरान मैं अपने वजन को लेकर काफी जागरूक थी।

एडल्ट स्टार टैग से परेशान हुईं सनी लियोनी कहा- अजीब लगता है कि 13 साल बाद भी

सनी लियोनी बॉलीवुड इंडस्ट्री में आने से पहले एडल्ट स्टार थीं। लेकिन अब उन्हें उस इंडस्ट्री को छोड़े हुए काफी साल हो गए हैं।

झनक असल लाइफ में हैं बेहद स्टाइलिश, इस हॉरर शो से की थी एक्टिंग की शुरुआत

स्टार प्लस के शो झनक में झनक का किरदार निभा रही हिबा नवाब ने चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी।

मौनी रॉय ने ट्रेडिशनल के साथ लगाया ग्लैमर का तड़का, दिशा पाटनी ने किया ऐसा कमेंट

मौनी रॉय सफेद साड़ी और ब्लाउज में शीशे के सामने पोज देते हुए खुद को निहारती नजर आ रहीं हैं।

दिनभरत रहना है एनर्जेटिक तो खाएं अखरोट

ड्राई फ्रूट्स का सेवन करने बॉडी हेल्दी और मजबूत बनती है। अगर आप अपने आहार में बादाम को शामिल करते हैं, तो इससे आपकी स्किन काफी ग्लोइंग दिखेगी। चेहरे की झुर्रियां और फाइन लाइन्स सब गायब हो जाएगी। बादाम में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसके सेवन से दिमाग भी सबसे तेज और मजूबत बनता है। अपनी स्किन को जवान बनाने के लिए इसका सेवन करना चाहिए।

बड़े–बुजुर्गों ने हमेशा कहते रहते हैं कि मेवा सेवा करना काफी जरुरी है। लेकिन आजकल के लोग तो हेल्दी ड्राई फ्रूट्स का सेवन करना पसंद ही नहीं करते। अगर आप अपनी जीवनशैली को बेहतर करना चाहते हैं,तो आज ही से बादाम को अपनी डाइट में शामिल कर लें। इसके सेवन से बॉडी हेल्दी और मजबूत बनती है। वहीं, बादाम खाने से स्किन ग्लोइंग बनती है। रोजाना बादाम खाने से चेहरे की झुर्रियां और फाइन लाइन्स सब गायब हो जाएगी। बादाम न्यूट्रिशन का खजाना है। आइए आपको बताते हैं बादाम का सेवन स्किन को जवान रखने में कैसे मददगार है।

स्किन को जवान रखता है बादाम

बादाम टेस्टी और गुणों से भरपूर ड्राई फ्रूट है। इसमें कई सारे पोषक तत्व पाए जाते हैं। बादाम शरीर और त्वचा को पोषण देने में मदद करता है और उम्र के लक्षणों को धीमा करने मदद करता है। गौरतलब है कि बादाम में प्रोटीन, विटामिन सी, बी 6, मैग्नीशियम, आयरन और पोटेशियम जैसे ढेरों पोषक तत्व पाए जाते हैं।

अध्ययन में पता चला है बादाम स्किन को बेहतर बनाता है

दरअसल, दुनियाभर के अलग–अलग शोधो में पाया गया है कि बादाम के सेवन से तरीकों से झुर्रियों को कम करने और त्वचा को बेहतर बनाने में मदद करता है। बादाम में विटामिन ई होता है, जो एक एंटीऑक्सीडेंट है जो त्वचा को प्रदूषण और हानिकारक फ्री रैडिकल्स से बचाता है। वहीं, फ्री रैडिकल्स शरीर में कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी और उम्र को तेजी से बढ़ाने का कराण बनते हैं। बादाम में पाए जाने वाला विटामिन ई कोलेजन के उत्पादन को बढाता है, जो उम्र के लक्षणों को कम करता है।

बादाम खाने से झुर्रियां गायब होती है इसमें हेल्दी फैट होता है जो त्वचा को नमी प्रदान करता है। बादाम खाने से त्वचा की इलास्टिसिटी अच्छी रहती है और झुर्रियों को भी कम करता है।

अदरक के पत्ते के फायदे

सर्दियों के मौसम में लोग अदरक की चाय तो खूब पीते हैं, पर आपने कभी अदरक के साथ गुड़ खाया है। अगर नहीं तो आज ही इसे अपनी डाइट में शामिल कर लें। सर्दियों के मौसम में गुड़ और अदरक का सेवन स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह न केवल आपके शरीर को गर्मी देता है, बल्कि इम्यूनिटी को भी मजबूत बनाता है। दोनों सामग्री प्राचीन आयुर्वेद में स्वास्थ्यवर्धक गुणों के लिए जानी जाती हैं। आइए जानते हैं इसके और भी फायदे

गुड़ और अदरक के संयुक्त सेवन के फायदे

इम्यूनिटी को बढ़ाता है: गुड़ में आयरन, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे खनिज होते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं। अदरक में एंटी–इंफ्लेमेटरी और एंटी–बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो सर्दी–जुकाम और गले की खराश से बचाव करते हैं।

पाचन को दुरुस्त करता है: अदरक पाचन तंत्र को सुधारने में मदद करता है और एसिडिटी, गैस और कब्ज से राहत दिलाता है। गुड़, भोजन को पचाने के लिए पाचन रसों के स्राव को बढ़ाता है। दोनों का संयोजन पाचन के लिए आदर्श है।

सर्दियों में शरीर को गर्मी देता है: अदरक और गुड़ दोनों में थर्मोजेनिक गुण होते हैं, जो शरीर को अंदर से गर्म रखते हैं। यह सर्दी के मौसम में ठंड से बचने और शरीर को ऊर्जा देने में मदद करता है।

जोड़ों के दर्द में राहत: अदरक का एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण गठिया और जोड़ों के दर्द में राहत प्रदान करता है। गुड़ कैल्शियम और पोटेशियम का अच्छा स्रोत है, जो हड्डियों को मजबूत बनाता है।

सर्दी–जुकाम और खांसी से राहत: गुड़ और अदरक का काढ़ा या मिश्रण पीने से बलगम कम होता है और गले की खराश में आराम मिलता है। यह फेफड़ों को साफ करने और सांस लेने में आसानी प्रदान करने में सहायक है।

रक्तचाप को नियंत्रित करता है: गुड़ में पोटेशियम होता है, जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है। अदरक खून को पतला करता है, जिससे रक्त प्रवाह बेहतर होता है और हृदय स्वस्थ रहता है।

मासिक धर्म के दर्द में राहत: अदरक की गर्म तासीर मासिक धर्म के दौरान ऐंठन को कम करती है। गुड़, शरीर में एंडोर्फिन हार्मोन बढ़ाता है, जो दर्द और मूड स्विंग्स में राहत देता है।

त्वचा को चमकदार बनाता है: अदरक शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है, जिससे त्वचा साफ और चमकदार होती है। गुड़ में मौजूद मिनरल्स त्वचा को पोषण देकर इसे स्वस्थ बनाते हैं।

गुड़ और अदरक का सेवन कैसे करें?

गुड़–अदरक का मिश्रणरू गुड़ और कद्दूकस किए अदरक को मिलाकर छोटे लड्डू बना लें और रोजाना खाएं।

काढ़ारूगुड़ और अदरक को पानी में उबालकर काढ़ा बनाएं। यह सर्दी और गले की समस्याओं में उपयोगी है।

चायरू चाय में चीनी की जगह गुड़ और अदरक का इस्तेमाल करें।

खाली पेटरू गुड़ और अदरक का एक छोटा टुकड़ा सुबह खाली पेट खाने से दिनभर ऊर्जा मिलती है।

सावधानिया

– मधुमेह के मरीज गुड़ का सेवन सीमित मात्रा में करें।

– अधिक मात्रा में अदरक खाना पेट की जलन का कारण बन सकता है।

– गर्भवती महिलाएं डॉक्टर की सलाह के बाद ही इसका सेवन करें।

चाय पीना नुकसानदायक या लाभदायक

सर्दियों में एक कप गर्म चाय का मजा अलग ही होता है, लेकिन अगर वह चाय नकली चाय पत्ती से बनी हो, तो यह सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकती है। ऐसी चाय पत्ती में खतरनाक केमिकल्स और मिलावट होने के कारण कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एसएसए) ने नकली चाय पत्ती की पहचान के लिए कुछ आसान जांच विधियां बताई हैं। आइए जानते हैं इन तरीकों को विस्तार से।

नकली चाय पत्ती के खतरे

नकली चाय पत्ती को गहरा रंग देने के लिए खतरनाक केमिकल्स जैसे बिस्मार्क ब्राउन, कोल टार डाई और सोपस्टोन का उपयोग किया जाता है। ये केमिकल न केवल किडनी डैमेज, पेट की समस्याएं और माइग्रेन का कारण बन सकते हैं, बल्कि कैंसर जैसे जानलेवा रोग का कारण भी बन सकते हैं। खासकर, कोलन कैंसर और पेट से संबंधित अन्य गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

कैसे करें नकली चाय पत्ती की पहचान?

पानी का टेस्ट करें

चाय पत्ती की शुद्धता की जांच का सबसे आसान तरीका है पानी का टेस्ट करना। थोड़ी चाय पत्ती लें और इसे एक साफ फिल्टर पेपर पर रखें। इसके ऊपर थोड़ा पानी छिड़कें और इसे 5–10 मिनट के लिए छोड़ दें। अगर पेपर पर गहरे काले या भूरे रंग का निशान दिखाई दे, तो यह इस बात का संकेत है कि पत्ती में मिलावट की गई है। असली चाय पत्ती कभी भी इस तरह का रंग नहीं छोड़ती। यह टेस्ट आपको तुरंत चाय पत्ती की शुद्धता के बारे में जानकारी देता है।

नॉर्मल पानी में चाय पत्ती डालें

एक और आसान तरीका है चाय पत्ती को नॉर्मल (ठंडे) पानी में डालकर जांच करना। एक गिलास ठंडे पानी में 1 चम्मच चाय पत्ती डालें। अगर पत्ती तुरंत रंग छोड़ने लगे, तो यह इस बात का संकेत है कि इसमें खतरनाक केमिकल कलर मिलाया गया है। असली चाय पत्ती केवल गर्म पानी में धीरे–धीरे रंग छोड़ती है। नकली चाय पत्ती में कोल टार डाई जैसे हानिकारक रसायन हो सकते हैं, जो सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक होते हैं।

लोहे के टुकड़ों की पहचान करें

चाय पत्ती के उत्पादन के दौरान मशीनों के कारण उसमें छोटे लोहे के टुकड़े मिल सकते हैं। यह टुकड़े शरीर के लिए बेहद हानिकारक हो सकते हैं। इनकी पहचान करने के लिए चाय पत्ती के ऊपर एक छोटा चुंबक चलाएं। अगर पत्ती में आयरन फिलिंग होगी, तो वह चुंबक पर चिपक जाएगी। यह जांच करना बेहद जरूरी है क्योंकि लोहे के ये टुकड़े शरीर में जाकर पेट की समस्या और अन्य गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं।

खुली चाय पत्ती खरीदने से बचें

रेहड़ी या बाजार में मिलने वाली खुली चाय पत्ती में मिलावट का खतरा सबसे अधिक होता है। यह न केवल अस्वच्छ होती है, बल्कि इसमें केमिकल्स और नकली सामग्री मिलाई जा सकती है। इसलिए हमेशा ब्रांडेड और सील पैक चाय पत्ती ही खरीदें। ब्रांडेड चाय पत्ती में क्वालिटी और शुद्धता का विशेष ध्यान रखा जाता है।

रंग देखकर पहचान करें

असली चाय का रंग प्राकृतिक और समान होता है, जबकि नकली चाय पत्ती का रंग असमान, गहरा और अधिक चमकदार हो सकता है। जब आप चाय बनाएं, तो इसका रंग और गंध ध्यान से जांचें। अगर चाय का रंग बहुत गहरा और चमकदार हो, तो यह मिलावट का संकेत हो सकता है।

किसी भी लक्षण को नजरअंदाज न करें

अगर चाय पीने के बाद आपको पेट दर्द, सिरदर्द, गैस, या किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या महसूस हो, तो इसे हल्के में न लें। तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। नकली चाय पत्ती में मौजूद केमिकल्स और मिलावट सेहत पर गंभीर असर डाल सकते हैं, जिसमें कैंसर तक का खतरा हो सकता है।

इन सावधानियों को अपनाकर आप न केवल अपनी सेहत की रक्षा कर सकते हैं, बल्कि कैंसर जैसी घातक बीमारियों से भी बच सकते हैं। चाय पत्ती की शुद्धता जांचने के ये सरल तरीके आपकी जिंदगी को स्वस्थ और सुरक्षित बनाए रखने में मदद करेंगे।

नोटः यह लेख केवल सामान्य जानकारी के उद्देश्य से लिखा गया है। किसी भी समस्या के लिए डॉक्टर की सलाह लेना न भूलें। नकली खाद्य पदार्थों से बचें और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चाय की शुद्धता सेहत की सुरक्षा का पहला कदम है। सही कदम उठाएं और नकली चाय पत्ती से बचें।

सर्दियों में डैंड्रफ को कम कैसे करें

अक्सर बालों की चमक बढ़ाने और डैंड्रफ की समस्या से छुटकारा पाने के लिए महिलाएं महंगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं कि घरेलू चीजों के इस्तेमाल से डैंड्रफ की समस्या कम की जा सकती है।

सर्दियों के मौसम में ठंड से खुद को बचाने के लिए हम सभी गर्म कपड़ों का इस्तेमाल करते हैं। वहीं डैंड्रफ को छुपाने के लिए हैट या टोपी का इस्तेमाल करते हैं। डैंड्रफ की वजह से बालों को फ्लॉन्ट करने का मौका नहीं मिलता है। क्योंकि सिर पर डैंड्रफ चांदी की तरह चमकता रहता है। वहीं ड्रैंड्रफ की वजह से होने वाली खुजली सबसे ज्यादा शर्मिंदा करती है। डैंड्रफ की वजह से स्कैल्प पर पपड़ी और घाव होना आम बात है। डैंड्रफ की समस्या को दूर करने के लिए हेयर केयर रूटीन जितना जरूरी है, उतना ही खानपान का ध्यान रखना भी जरूरी होता है।

अक्सर बालों की चमक बढ़ाने और डैंड्रफ की समस्या से छुटकारा पाने के लिए महिलाएं महंगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं कि घरेलू चीजों के इस्तेमाल से डैंड्रफ की समस्या कम की जा सकती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि डैंड्रफ क्यों होता है और साथ ही उन इंग्रीडिएंट्स के बारे में जिनको लगाकर आप डैंड्रफ और खुजली से राहत पा सकती हैं।

क्यों होता है डैंड्रफ

सिर में डैंड्रफ तब होता है, जब स्कैल्प से अधिक मात्रा में डेड स्किन सेल्स निकलने लगते हैं। यह अक्सर फंगल संक्रमण, तैलीय स्कैल्प या सेबोरहाइक डर्मेटाइटिस जैसी कंडीशन से जुड़ा होता है। अगर आपको भी यह लक्षण दिखते हैं, तो इसका मतलब है कि आप भी डैंड्रफ की समस्या से जूझ रही हैं।

स्कैल्प, बालों और कंधों पर सफेद या पीली पपड़ी का होना

स्कैल्प में लगातार खुजली व जलन का होना।

स्कैल्प का ऑयली होना या फिर रेडनेस पैच होना।

एलोवेरा, एप्पल साइडर विनेगर और टी ट्री ऑयल के फायदे

एलोवेरा

यह सिर की जलन को शांत करता है।

स्कैल्प को हाइड्रेट कर रूखेपन को रोकता है।

एलोवेरा में डैंड्रफ से निपटने के लिए एंटीफंगल गुण पाए जाते हैं।

एप्पल साइडर विनेगर

एप्पल साइडर विनेगर सिर की त्वचा के च्भ् को संतुलित कर फंगल ग्रोथ को रोकता है।

इसके अलावा यह डेड स्किन सेल्स और प्रोडक्ट बिल्डअप को हटाकर सिर की त्वचा को साफ करता है।

टी ट्री ऑयल

बता दें कि टी ट्री ऑयल में मौजूद जीवाणुरोधक और एंटीफंगल गुण डैंड्रफ पैदा करने वाले फंगस को सीधे टार्गेट करते हैं।

साथ ही यह खुजली और सूजन को कम करता है।

इन तीनों चीजों को मिलाकर आप सीरम बना सकते हैं।

एंटी–डैंड्रफ सीरम की सामग्री

ताजा एलोवेरा जेल– 2 बड़े चम्मच

एप्पल साइडर विनेगर– 1 बड़ा चम्मच (ऑर्गेनिक और अनफिल्टर्ड)

टी ट्री एसेंशियल ऑयल– 5 बूंदें

आवश्यकतानुसार पानी

ऐसे बनाएं हेयर सीरम

एक कटोरी में एलोवेरा जेल और एप्पल साइडर विनेगर को तब तक मिलाएं, जब तक यह स्मूद न हो जाए।

अब इसमें टी ट्री ऑयल डालकर अच्छे से मिक्स कर लें।

अगर यह ज्यादा गाढ़ा हो गया हो, तो इसको थोड़ा पतला करने के लिए इसमें एक चम्मच पानी मिला लें।

अब इस सीरम को इस्तेमाल में लाने के लिए इसको एक साफ स्प्रे बोतल में डालकर रखें।

ऐसे लगाएं सीरम

सबसे पहले बालों को अच्छे से सुलझा लें और सिर में तेल न लगा हो।

अब बालों को समान रूप से बांट लें।

फिर सीरम को स्कैल्प पर स्प्रे करें और छोटे–छोटे पार्ट्स को डिवाइड कर सीरम अप्लाई करें।

सीरम लगाने के बाद सिर की मालिश करें, जिससे कि यह स्कैल्प में अच्छे से सेटल हो जाए।

स्कैल्प पर सीरम को करीब 30 मिनट से लेकर 1 घंटे तक लगा रहने दें।

गहराई से सोखने के बाद टॉवल से सिर को ढक लें।

फिर एंटी–डैंड्रफ शैंपू से बालों को धो लें।

आप सप्ताह में 3–4 बार इस सीरम का इस्तेमाल कर सकती हैं।

डैंड्रफ को रोकने के टिप्स

बालों को धोने के लिए ठंडे या फिर गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। हॉट वॉटर शावर स्कैल्प रूखा कर सकता है, जिससे डैंड्रफ की समस्या बढ़ सकती है।

तेल के जमाव को कंट्रोल करने के लिए सप्ताह में 2–3 बार बालों को शैंपू करें। वहीं अगर स्कैल्प ऑयली है, तो अधिक समय तक बालों में तेल न लगा रहने दें।

सिर की त्वचा को हेल्दी रखने के लिए ओमेगा–3 फैटी एसिड, जिंक और बायोटिन से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करें।

सिर की त्वचा को हाइड्रेट रखने के लिए खूब पानी पीते रहें।

तनाव कम करने के लिए आप माइंडफुलनेस या योग का अभ्यास कर सकते हैं। क्योंकि तनाव भी रूसी की समस्या को बदतर बना सकता है।

संक्षिप्त

पीयूष गोयल का लॉजिस्टिक्स सुधार के लिए सरकारी मंचों के साथ उद्योग के एकीकरण का आह्वान

नयी दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने लॉजिस्टिक क्षेत्र की दक्षता में सुधार के लिए उद्योग से जुड़े हितधारकों को सरकारी मंचों के साथ पूर्ण रूप से एकीकृत करने का आह्वान किया। उन्होंने लॉजिस्टिक्स उद्योग से इस क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन में कटौती के लिए टिकाऊ और हरित प्रथाओं को अपनाने पर काम करने का भी आग्रह किया। मंत्री ने कहा, '' हमें समग्र कार्बन प्रभाव को कम करने और स्थिरता को अपनी सोच का मूल बनाने के लिए इलेक्ट्रिक परिवहन, जैव ईंधन, मल्टीमॉडल परिवहन विकल्प जैसी प्रौद्योगिकी को अपनाना होगा।'' कौशल विकास पर जोर देते हुए गोयल ने भविष्य के लिए तैयार कार्यबल को प्रशिक्षित और तैयार करने के लिए संस्थानों के साथ सहयोग का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) और 'डेटा एनालिटिक्स' का इस्तेमाल कर यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि समय और लागत में कोई वृद्धि न हो।

जीएसटी काउंसिल ने जीवन और स्वास्थ्य बीमा पर कर कटौती का फैसला टाला, मिली राहत

नई दिल्ली,(एजेंसी)। जीएसटी परिषद की बैठक शनिवार को हुई है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में हुई जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक में निर्णय लिया गया कि कुछ और तकनीकी परेशानियों को दूर करने की जरुरत है। आने वाले समय में विचार–विमर्श के लिए जीओएम को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जीएसटी काउंसिल की बैठक में राज्यों के वित्त मंत्री भी शामिल हुए। इस बैठक में जीवन और स्वास्थ्य

बीमा प्रीमियम पर कर की दर में कटौती के फैसले को स्थगित कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि जीएसटी परिषद ने शनिवार को जीवन और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर कर की दर में कटौती के फैसले को स्थगित हुआ है। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि समूह, व्यक्तिगत, वरिष्ठ नागरिकों की पॉलिसियों पर कर के बारे में निर्णय लेने के लिए मंत्री समूह की एक और बैठक की जरुरत है। सम्राट चौधरी ने संवाददाताओं से कहा, कुछ सदस्यों ने कहा कि अधिक चर्चा की आवश्यकता है। हम (जीओएम) जनवरी में फिर मिलेंगे। चौधरी की अध्यक्षता में परिषद द्वारा गठित मंत्रिसमूह (जीओएम) ने नवंबर में अपनी बैठक में टर्म जीवन बीमा पॉलिसियों के लिए भुगतान किए जाने वाले बीमा प्रीमियम को जीएसटी से छूट देने पर सहमति व्यक्त की थी। इसके अलावा वरिष्ठ नागरिकों द्वारा स्वास्थ्य बीमा कवर के लिए भुगतान किए गए प्रीमियम को भी कर से छूट देने का प्रस्ताव किया गया है। इसके अलावा, वरिष्ठ नागरिकों के अलावा अन्य व्यक्तियों द्वारा 5 लाख रुपये तक के स्वास्थ्य बीमा के लिए भुगतान किए गए प्रीमियम को जीएसटी से छूट देने का प्रस्ताव है। हालांकि, 5 लाख रुपये से अधिक के स्वास्थ्य बीमा कवर वाली पॉलिसियों के लिए भुगतान किए गए प्रीमियम पर 18 प्रतिशत जीएसटी लागू रहेगा।

इलेक्ट्रिक कारों, फूड डिलीवरी ऐप्स और कार्ड पर टैक्स की दर में हो सकता है बदलाव

नई दिल्ली,(एजेंसी)। जीएसटी लागू होने के बाद से यह 55वीं बैठक हो रही है। इस बैठक का आयोजन जैसलमेर में हो रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ अन्य राज्यों के वित्त मंत्री भी इस बैठक में मौजूद है। इस बैठक के दौरान कई सेक्टर्स पर टैक्स बढ़ाने या घटाने पर चर्चा हो सकती है। इस बैठक में इंश्योरेंस सेक्टर भी अहम रहने वाला है। इस

बैठक में लाइफ और हेल्थ इंश्योरेंस पर जीएसटी में कमी आने की संभावना है। लग्जरी प्रोडक्ट्स पर भी जीएसटी अधिक लगने वाला है। एविएशन टरबाइन फ्यूल भी अब जीएसटी के दायरे में आ सकता है, जिसकी संभावना काफी अधिक है। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में परिषद द्वारा गठित मंत्री समूह ने नवंबर में अपनी बैठक में टर्म जीवन बीमा पॉलिसियों के लिए भुगतान किए जाने वाले बीमा प्रीमियम को जीएसटी से छूट देने पर सहमति व्यक्त की थी। बता दें कि इस बैठक में 148 आइटम्स की चर्चा की जानी है। इसमें इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, पेट्रोल और डीजल गाड़ियों पर जीएसटी अधिक लगाया जा सकता है। इन प्रोडक्ट्स में 12 फीसीद जीएसटी वर्तमान में लगता है, जिसे बढ़ाकर 18 फीसदी किया जा सकता है। बैठक में टर्म लाइफ इंश्योरेंस पर भी चर्चा होगी। सीनियर सीटिजन के हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम को जीएसटी मुक्त किया जा सकता है। वहीं पांच लाख रुपये तक के हेल्थ इंश्योरेंस लेने वालों को जीएसटी में छूट दी जाएगी।

पिछले 10 वर्षों में एमसीजी पर एक भी टेस्ट नहीं हारा भारत, बुमराह हासिल कर सकते हैं एक और उपलब्धि

मेलबर्न, एजेंसी। भारतीय टीम पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास को पीछे छोड़त हुए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट में उतरेगी। दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी 1–1 की बराबरी पर चल रही है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच ब्रिसबेन के गाबा में खेला गया तीसरा टेस्ट मैच ड्रॉ रहा था और अब रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम की नजरें 26 दिसंबर से होने वाले चौथे टेस्ट के दौरान मेलबर्न पर जीत दर्ज कर सीरीज में बढ़त हासिल करने पर टिकी होंगी।

डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिहाज से अहम है मुकाबला

भारत को अगर विश्व टेस्ट चौंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में जगह बनानी है तो उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अगले दोनों मुकाबले जीतने होंगे। इस सीरीज में एक और हार उसके लिए डब्ल्यूटीसी फाइनल के दरवाजे बंद कर देगी। भारत ने विपरीत परिस्थितियों में जिस तरह तीसरा टेस्ट मैच ड्रॉ कराया उससे टीम के हौसले बढ़े हुए होंगे। भारत अगर चौथा मैच जीतने में सफल रही तो सीरीज गंवाने से बच जाएगी और 2–1 की बढ़त हासिल कर लेगी।

एमसीजी में भारत का पलड़ा भारी

मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में भारत का पलड़ा ऑस्ट्रेलिया पर भारी है। पिछले 10 वर्षों में टेस्ट में यह ग्राउंड भारत के लिए अजेय किला बना हुआ है। भारतीय टीम ने इस मैदान पर 2014 से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कुल तीन मुकाबले खेले हैं और उसे दो में जीत मिली है, जबकि एक मैच ड्रॉ रहा है। वहीं, पैट कमिंस की अगुआई वाली टीम पिछले 10 वर्षों में एमसीजी पर भारत के खिलाफ जीत दर्ज नहीं कर सकी है। यह आंकड़े भारत के लिए राहत देने वाले हैं क्योंकि टीम की नजरें बढ़त हासिल करने पर टिकी हुई हैं।

रोहित के पास कोहली–रहाणे की सूची में शामिल होने का मौका

पिछले 10 वर्षों में भले ही एमसीजी में भारत ने सफलताएं हासिल की है, लेकिन ओवरऑल इस मैदान पर ऑस्ट्रेलिया का ही दबदबा रहा है। 1948 से 2020 तक भारत ने इस ग्राउंड पर 14 टेस्ट मैच खेले हैं और उसे चार में ही जीत मिली है, जबकि आठ मुकाबले भारत ने गंवाए हैं और दो ड्रॉ रहे हैं। वहीं, सिर्फ चार ही भारतीय कप्तान ऐसे हैं जिन्होंने एमसीजी में टेस्ट मैच जीते हैं और रोहित के पास इस सूची में शामिल होने का मौका रहेगा। एमसीजी में अब तक बिशन सिंह बेदी, सुनील गावस्कर, विराट कोहली और अजिंक्य रहाणे ने ही अपनी कप्तानी में भारत को टेस्ट में जीत दिलाई है।

बुमराह के पास कुंबले को पीछे छोड़ने का मौका

भारतीय टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के पास भी एमसीजी में उपलब्धि हासिल करने का मौका रहेगा। बुमराह और अनिल कुंबले एमसीजी में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। दोनों के नाम फिलहाल इस मैदान पर एक समान 15–15 विकेट हैं। बुमराह अगर मैच में एक विकेट भी हासिल कर लेते हैं तो वह एमसीजी में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन जाएंगे और कुंबले को पीछे छोड़ देंगे। बुमराह और कुंबले के अलावा कपिल ने इस मैदान पर 14 विकेट, रविचंद्रन अश्विन ने 14 और उमेश यादव ने 13 विकेट झटके हैं।

अश्विन की पत्नी ने सोशल मीडिया पर लिखा भावुक पोस्ट

बताया संन्यास की खबर सुनकर कैसी थी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन की पत्नी प्रीति नारायण ने अपने पति के लिए एक भावुक पोस्ट किया है। अश्विन ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और वह ऑस्ट्रेलिया दौरे के बीच से ही स्वदेश लौट आए थे। अश्विन ने यह फैसला ब्रिसबेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए तीसरे टेस्ट मैच के बाद लिया था जिससे पूरा क्रिकेट जगत चौंक गया था। अश्विन ने जब से संन्यास लेने की घोषणा की है, तभी से सोशल मीडिया पर इस खिलाड़ी को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है और अब उनकी पत्नी प्रीति ने भी इस पूर्व ऑफ स्पिनर के लिए भावुक पोस्ट लिखा और इतने वर्षों में उनके क्रिकेट के सफर के बारे में बताया। प्रीति ने साथ ही कहा कि किस तरह जीवन के उतार चढ़ाव भरे दौर में दोनों एक दूसरे के साथ खड़ रहे। प्रीति ने इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा, मेरे लिए पिछले दो दिन धुंधले रहे। मैं बस यही सोचती रही कि क्या लिखूं। मैं अपने सर्वकालिक पसंदीदा क्रिकेटर को किस इस तरह विदाई दूं। क्या इसमें पार्टनर का एंगल लूं या एक प्रशंसक लड़की का प्रेम पत्र लिखूं। मुझे लगता है कि इसमें सब कुछ मिला होगा। जब मैंने अश्विन की प्रेस कॉन्फ्रेंस देखी तो मैं छोटे–बड़े पलों को याद करने लगी। पिछले 13–14 वर्षों की कई यादें हैं। प्रीति ने अश्विन के सफर को याद किया उन्होंने आगे लिखा, वो बड़ी जीत, प्लेयर ऑफ द सीरीज के पुरस्कार, जब मुकाबला कठिन होता था तो हमारे कमरे में शांति, खेल की रणनीति बनाते हुए वीडियो को लगातार देखना और हर मैच से पहले सुकुन की सांस लेना.. ये ऐसे समय है जब हम इसका आनंद लेते थे। चौंपियंस ट्रॉफी फाइनल, एमसीजी में जीत, सिडनी में ड्रॉ और गाबा की जीत। आपका टी20 में वापसी करना। यह वो समय है जब हम मौन बैठे थे और कई बार हमारा दिल टूट गया था। प्रीति ने लिखा, प्रिय अश्विन किट बैग साथ रखने का तरीका न जानने से लेकर दुनिया भर के स्टेडियमों में आपके साथ रहना, आपका समर्थन करना, आपको देखना और आपसे सीखना, यह आनंददायक रहा है। जिस दुनिया से आपने मेरा परिचय कराया, उसने मुझे उस खेल को करीब से देखने और आनंद लेने का सौभाग्य दिया जो मुझे पसंद है। इसने मुझे यह भी दिखाया कि अपने सिर को पानी से ऊपर रखने के लिए कितने जुनून, कड़ी मेहनत और अनुशासन की आवश्यकता है। मुझे याद है कि हम इस बारे में बात कर रहे थे कि आपको चीजों की योजना में प्रासंगिक बने रहने के लिए बहुत कुछ क्यों करना पड़ा। उन्होंने लिखा, अगर आप लगाकार अपनी प्रतिभा को नहीं बढ़ाते हैं ।

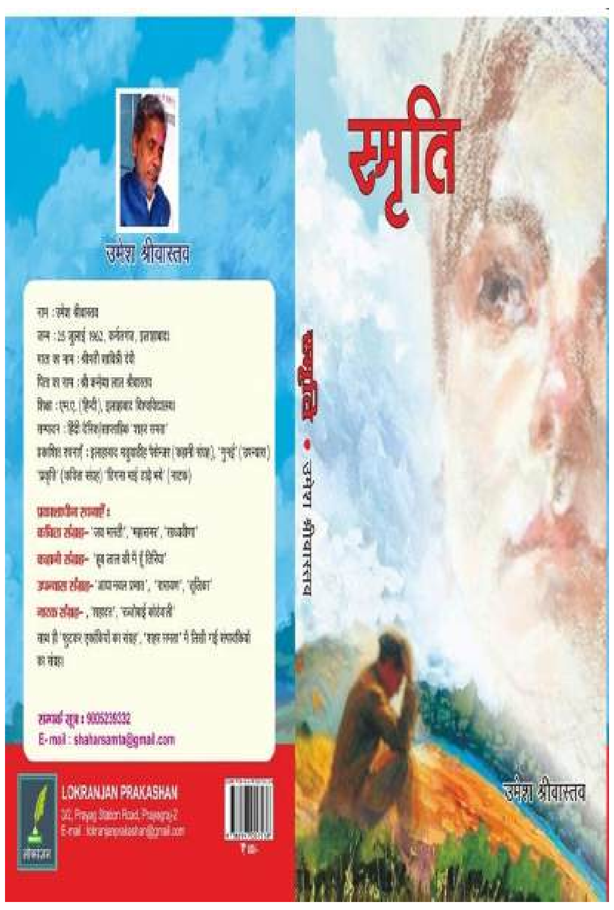

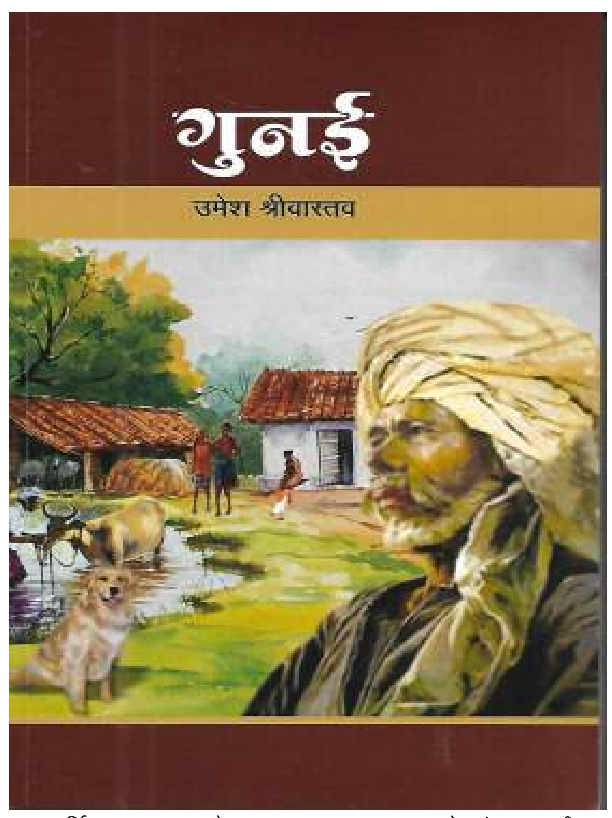

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

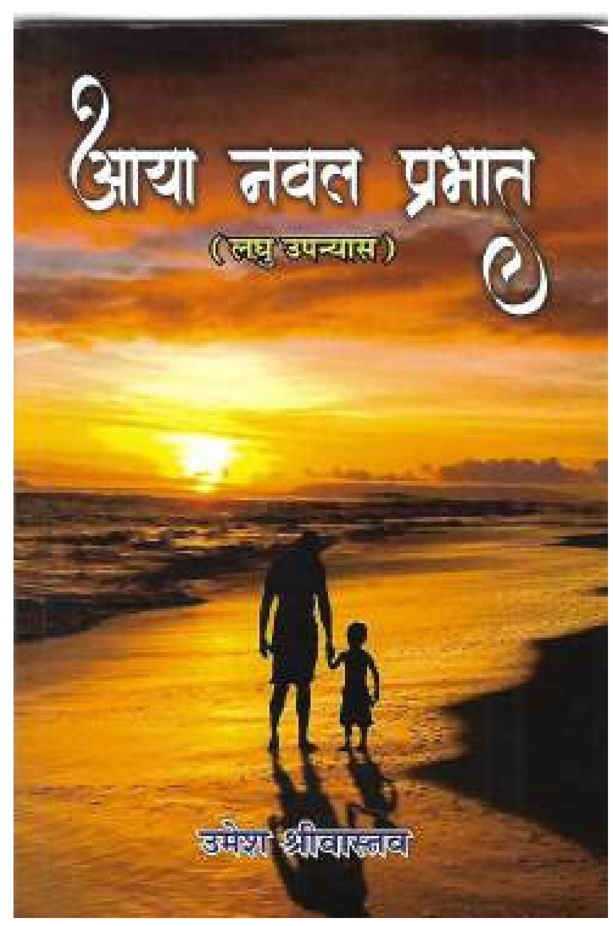

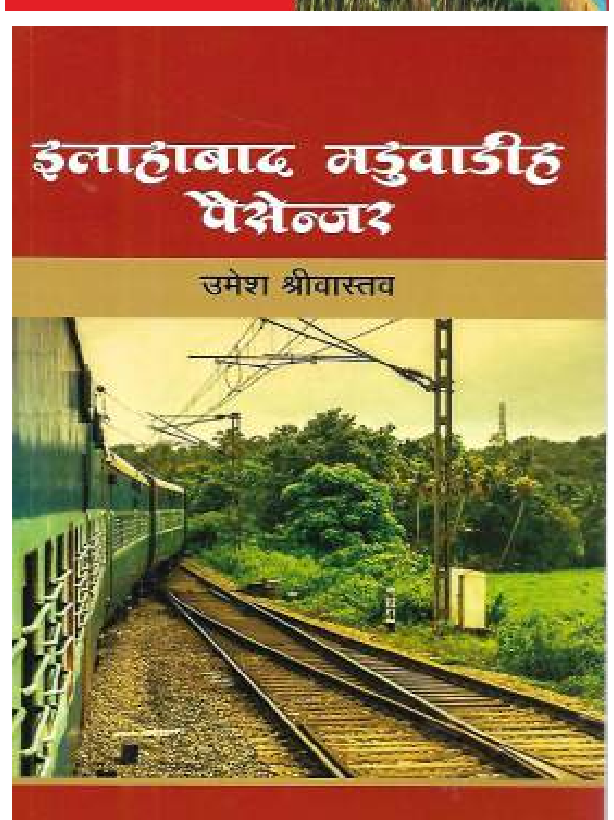

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

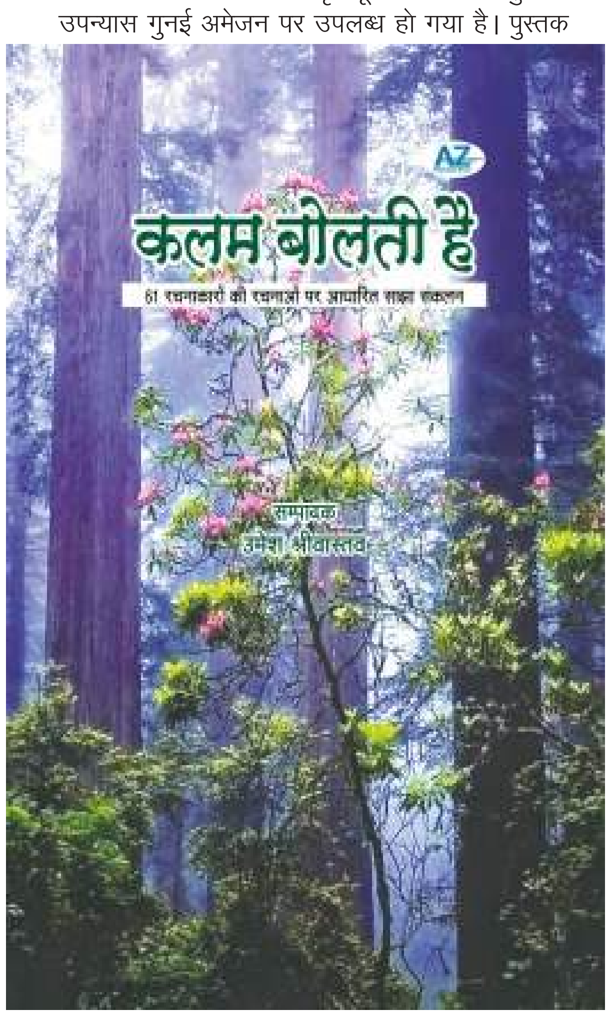

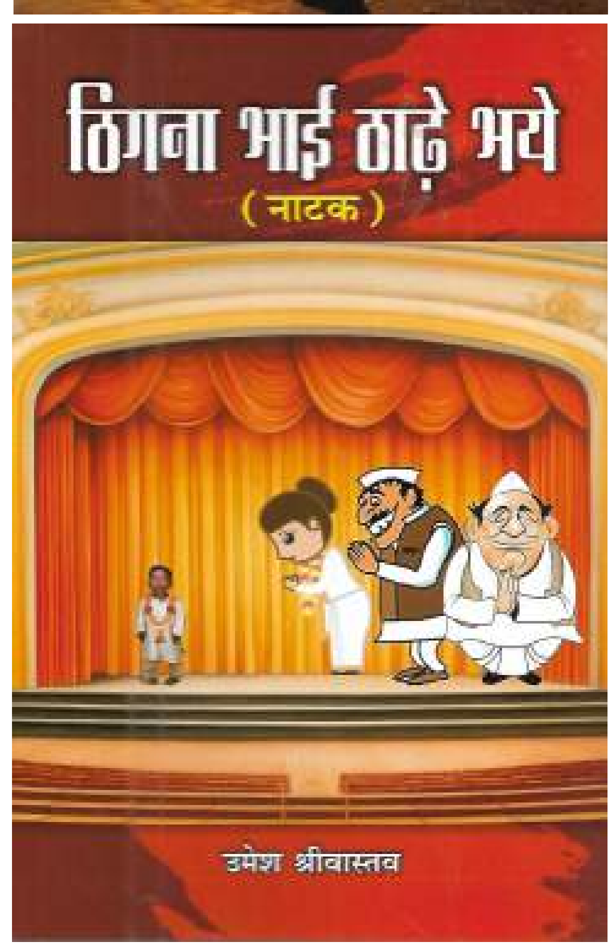

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

ट्रूडो का समय खत्म! खालिस्तान समर्थक पार्टी ही गिराएगी सरकार, 27 जनवरी को अविश्वास प्रस्ताव

कनाडा, एजेंसी। खालिस्तानियों के हमदर्द और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की कुर्सी खतरे में आ गई है। बात–बात पर भारत से तकरार रखने वाले जस्टिन ट्रूडो को उस वक्त बड़ा झटका लगा जब जगमीत सिंह की न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) ने अल्पमत सरकार के खिलाफ जनवरी में अविश्वास प्रस्ताव लाने का ऐलान कर दिया है। जस्टिन ट्रूडो के पूर्व सहयोगी, न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) के नेता जगमीत सिंह ने घोषणा की है कि पार्टी पहले से ही मुसीबतों में घिरी कनाडाई प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली अल्पमत सरकार को गिराने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाएगी। जगमीत सिंह ने एक खुले पत्र में इसकी घोषणा की है। जगमीत सिंह ने कहा है कि वह अल्पमत वाली लिबरल सरकार को गिराने के लिए 27 जनवरी को शीतकालीन अवकाश के बाद हाउस ऑफ कॉमन्स सदन में औपचारिक रूप से अविश्वास प्रस्ताव पेश करेंगे। ये कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब जस्टिन ट्रूडो पर पहले से ही पद छोड़ने का दबाव है। कनाडा के अगले संघीय चुनाव 20 अक्टूबर, 2025 से पहले होने हैं। लिबरल प्रधानमंत्री पद संभालने के लिए एक अंतरिम नेता का नाम तय करेंगे। वे नए नेता का चुनाव करने के लिए एक विशेष नेतृत्व सम्मेलन भी स्थापित करेंगे। हालांकि, यदि संघीय चुनाव सम्मेलन से पहले होते हैं, तो पार्टी अपने सदस्यों द्वारा नहीं

चुने गए अंतरिम पीएम के तहत चुनाव लड़ने के लिए मजबूर होगी। एक लिबरल नेता का चुनाव एक विशेष सम्मेलन के माध्यम से किया जाता है। इसलिए, अगर ट्रूडो रहना चाहते हैं तो उन्हें हटाने के लिए कोई औपचारिक पार्टी तंत्र नहीं है। हालाँकि, अगर उनके अपने मंत्रिमंडल के सदस्य और बड़ी संख्या में विधायक उन्हें जाने के लिए कहते हैं तो वह इस्तीफा दे सकते हैं। कनाडाई सरकार को यह दिखाना होगा कि उसे हाउस ऑफ कॉमन्स का विश्वास हासिल है। बजट और अन्य खर्चों पर वोट को षविश्वास उपायष माना जाता है और यदि कोई सरकार हार जाती है, तो वह गिर जाती है। कनाडा में अंतिम शक्ति गवर्नर जनरल के पास है, जो राज्य के प्रमुख किंग चार्ल्स का प्रतिनिधि है। जबकि गवर्नर जनरल मैरी साइमन, सैद्धांतिक रूप से, ट्रूडो को हटा सकती थीं, लेकिन अगर ट्रूडो को सदन का विश्वास प्राप्त है, तो उनके ऐसा करने की संभावना नहीं है। ट्रूडो की अल्पमत सरकार, जो पहले सिंह की एनडीपी द्वारा समर्थित थी। अन्य दलों के समर्थन पर भरोसा कर सकती है। एक महीने के शीतकालीन अवकाश के बाद 27 जनवरी को फिर से खुलने वाला है।

संयुक्त राष्ट्र ने मनाया विश्व ध्यान दिवस, आध्यात्मिक गुरु ने कहा– यह सभी धर्मों और समय से परे

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के नेताओं ने आज 21 दिसंबर को न्यूयॉर्क में विश्व ध्यान दिवस मनाया। इस खास मौके पर उन्होंने ध्यान को सभी धर्मों और सीमाओं से परे बताया। उनका कहना है कि मौजूदा समय में जारी संघर्षों और अविश्वास में यह (ध्यान) कूटनीति का एक शक्तिशाली साधन है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने शुक्रवार को पहले विश्व ध्यान दिवस के मौके पर एक विशेष कार्यक्रम वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए ध्यान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में संयुक्त राष्ट्र के राजदूतों, अधिकारियों, कर्मचारियों, नागरिक समाज के सदस्यों के साथ–साथ भारतीय–अमेरिकी प्रवासी भी शामिल हुए।

श्री श्री रविशंकर ने कार्यक्रम को किया संबोधित

आध्यात्मिक नेता गुरुदेव श्री श्री रविशंकर ने इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, आजकल ध्यान कोई लक्जरी नहीं है बल्कि एक आवश्यकता है। ध्यान एक ऐसी चीज है, जिसे आप कहीं भी लगा सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि कई लोग जैसे ही ध्यान शब्द सुनते हैं, उन्हें लगता है कि यह अभ्यास या तो किसी धर्म से है या उनके धर्म ने इसे नहीं सिखाया। आध्यात्मिक नेता गुरुदेव श्री श्री रविशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि ध्यान सभी धर्मों और सभी भौगोलिक सीमाओं से परे है, इसलिए यह कई मायनों में बहुत उपयोगी है।यूएन महासभा के अध्यक्ष फिलेमोन यांग ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा, ध्यान सभी सीमाओं, परंपराओं और समय से परे है। आज दुनिया में सभी को शांति चाहिए। दुनिया में तनाव के कारण यह जरूरी हो गया है कि हम शांति और शांति लाने वाली हर चीज को अपनाएं। आइए हम सभी के लिए एक सुरक्षित, अधिक न्यायसंगत भविष्य लाने के लिए अपने द्वारा साझा किए गए इस अभ्यास को आगे बढ़ाएं। इस महीने की शुरुआत में 193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सर्वसम्मति से 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस मनाने की घोषणा की। ऑपरेशनल सपोर्ट के अवर महासचिव अतुल खरे ने कहा कि नागरिक और कर्मचारी दुनिया की सबसे गंभीर चुनौतियों पर उच्च दबाव के साथ काम करते हैं। वे अपने परिवार और घर से दूर होते हैं। इससे उनके मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। हमारे कर्मियों को हिंसा के खिलाफ नागरिकों की रक्षा करने का काम सौंपा जाता है। इस कार्यक्रम में श्री श्री रविशंकर के नेतृत्व में एक विशेष ध्यान सत्र भी शामिल किया गया था।

सिंगापुर में प्रतिद्वंद्वी समूह के सदस्य को चोट पहुंचाने के लिए भारतीय मूल के व्यक्ति को जेल की सजा

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर में प्रतिद्वंद्वी गिरोह के सदस्य को जानबूझकर चोट पहुंचाने का अपराध स्वीकार करने के बाद भारतीय मूल के एक व्यक्ति को छह सप्ताह की जेल की सजा सुनाई गई है। "द स्ट्रेट टाइम्स" की खबर के अनुसार विष्णु सूर्यमूर्ति पर अवैध रूप से जुआ खेलने से जुड़ा एक अलग अपराध स्वीकार करने के बाद 2,000 सिंगापुरी डॉलर का जुर्माना भी लगाया है। विष्णु के समूह से जुड़े एक सदस्य अरवेन पाचान पिल्लई सुकुमार पर 20 अगस्त 2023 को ऑर्चर्ड रोड के पास सुबह करीब छह बजे कहासुनी के बाद मोहम्मद इशरत मोहम्मद इस्माइल (29) की हत्या का आरोप लगाया गया है। भारतीय मूल के ही सुकुमारन (30) के खिलाफ दर्ज मामला फिलहाल अदालतों में विचाराधीन है। सुकुमारन ने कथित तौर पर इस्माइल का चाकू छीनकर उसपर कई बार वार किए थे। विष्णु को जानबूझकर चोट पहुंचाने के लिए 2022 में दो बार जेल भेजा गया था। न्यायाधीश ऑंग लुआन त्जे ने उक्त तथ्य को ध्यान में रखते हुए विष्णु को सजा सुनाई और कहा, "आप अब भी युवा हैं.. यह सोचने के लिए कुछ समय लें कि आप अपना भविष्य कैसा चाहते हैं और इस मामले के बाद, अदालत में वापस न आने पर गंभीरता से विचार करें।" विष्णु ने इलाज के लिए खुद को एक अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां से पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

यूक्रेन ने रूस पर कर दिया 9/11 जैसा अटैक, 2 इमारतों से टकराए ड्रोन

अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की घटना तो हर किसी को याद होगी। इस हमले में करीब 3 हजार लोगों की मौत हुई। इसी हमले के बाद अमेरिका ने वॉर ऑन टेरर शुरू किया था। अब रूस के कजान शहर में शनिवार की सुबह अमेरिका के 9/11 जैसा हमला हुआ है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, कजान में 8 ड्रोन अटैक हुए जिनमें से 6 रिहाइशी इमारतों पर किए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार विस्फोटकों से भरे कई यूएवी ने रूस के कज़ान में इमारतों पर हमला किया, जिससे इमारतों में आग लग गई। बताया जा रहा है कि तीन कामिकेज़ ड्रोन ने रूसी शहर कज़ान में आवासीय ऊंची इमारतों पर हमला किया है।

टीएएसएस के अनुसार, हमले के बाद आपातकालीन सेवाएं घटना स्थल पर पहुंच गईं। हालांकि प्रभावित इमारत से निवासियों को निकाला जा रहा है, लेकिन अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इससे पहले रूसी रक्षा मंत्रालय ने अपने टेलीग्राम चौनल पर कहा था कि उसके हवाई सुरक्षा बलों ने तातारस्तान गणराज्य के ऊपर एक यूक्रेनी मानवरहित हवाई वाहन को मार गिराया है, जिसकी राजधानी कज़ान है। बाद में शहर प्रशासन द्वारा इस बयान का हवाला दिया गया। फरवरी 2022 में रूस–यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद, यूक्रेनी ड्रोन को रूस की राजधानी मॉस्को के साथ–साथ अन्य रूसी क्षेत्रों में कई बार रोका गया है। हालाँकि, केवल कुछ यूएवी ही लक्ष्य तक पहुँच पाए हैं। दो दिन पहले ही रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने कहा था कि वे यूक्रेन जंग को रोकने के लिए तैयार हैं। पुतिन ने कहा कि रूस राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की समेत किसी से भी बातचीत के लिए तैयार है। अपने वार्षिक प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान राज्य टीवी पर सवालों के जवाब देते हुए, पुतिन ने एक अमेरिकी समाचार चौनल के रिपोर्टर से कहा कि उन्होंने वर्षों से ट्रम्प के साथ बात नहीं की है, लेकिन संघर्ष पर चर्चा करने के लिए उनसे मिलने के लिए तैयार हैं।

अमेरिका में शटडाउन रोकने की कोशिशें जारी, संसद से नए बिल को मंजूरी, ट्रंप को लगा झटका

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में सरकार ने बंद (शटडाउन) की आशंका को लगभग रोक दिया है। इसके लिए नया विधेयक लाया गया है, जिसे अमेरिकी संसद की मंजूरी भी मिल गई है। निचले सदन से पहले ही विधेयक को मंजूरी मिल चुकी थी। अब सीनेट ने भी इसे मंजूर कर लिया है। नियमों के तहत अब इस विधेयक को हस्ताक्षर के लिए राष्ट्रपति बाइडन के पास भेजा जाएगा। संभवतः बाइडन भी जल्द इस पर हस्ताक्षर कर देंगे, जिसके बाद शटडाउन की आशंका भी खत्म हो जाएगी। हालांकि यह नया विधेयक नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए झटका है क्योंकि नए विधेयक में ट्रंप की मांग को नहीं माना गया है।

संसद से मिली मंजूरी

अमेरिकी संसद के निचले सदन के सभापति माइक जॉनसन ने कहा कि कांग्रेस देश में शटडाउन नहीं होने देने की पूरी कोशिश कर रही है। नया विधेयक माइक जॉनसन ने ही पेश किया है और निचले सदन से नए बिल को 366–34 से भारी बहुमत से मंजूरी दे दी। जॉनसन ने कहा कि श्इस देश के लिए एक अच्छा परिणाम है।श हालांकि ट्रंप ऋण सीमा बढ़ाने की मांग पर अड़े हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ऋणसीमा बढ़ाने की ट्रंप की मांग के पीछे असल में अरबपति एलन मस्क का दिमाग माना जा रहा है। ट्रंप ने सरकार का खर्च कम करने की जिम्मेदारी एलन मस्क को ही दी है। ऐसे में कई सांसदों में इस बात की नाराजगी है कि मस्क कांग्रेस के सदस्य नहीं हैं, लेकिन वे कांग्रेस पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। साथ ही राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद ट्रंप ने जिस अंदाज में अपनी सरकार में मंत्रियों और शीर्ष अधिकारियों की की नियुक्ति की है, उससे भी उनकी पार्टी के कई सांसद नाराज बताए जा रहे हैं। यही वजह रही कि ट्रंप की ऋण सीमा बढ़ाने की मांग के चलते व्यय विधेयक पारित नहीं हो सका और कई रिपब्लिकन सांसदों ने भी विधेयक के खिलाफ वोट किया। इससे रिपब्लिकन पार्टी पर ट्रंप की पकड़ कमजोर होती दिखी है।

शटडाउन से अमेरिका में लाखों कर्मचारी छुट्टी पर भेजे जा सकते हैं

अगर नया विधेयक नहीं लाया जाता तो इसके चलते अमेरिका में शटडाउन होना तय था। इसके चलते सरकार के 22 लाख कर्मचारियों में से आठ लाख कर्मचारियों को छुट्टी पर भेजना पड़ेगा और सिर्फ जरूरी कर्मचारी ही बिना वेतन काम करते। इससे सरकार का कामकाज बुरी तरह प्रभावित होता और इसका असर आम जनता पर पड़ना तय था। अब चूंकि क्रिसमस की छुट्टियां हैं तो ऐसे समय में अमेरिका में बड़ी संख्या में लोग यात्रा करते हैं। शटडाउन होने से एयरपोर्ट्स पर लंबी–लंबी कतारें दिख सकती थीं।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ नहीं थम रही हिंसा, फिर मंदिर में की गई तोड़फोड़, एक गिरफ्तार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में लगातार अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा। उपद्रवी कभी मंदिरों तो कभी उनके घरों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। हद तो तब पार हो गई, जब यहां के मैमनसिंह और दिनाजपुर में बदमाशों ने दो दिन के भीतर तीन हिंदू मंदिरों में आठ मूर्तियों को खंडित कर दिया। हालांकि, तोड़फोड़ के सिलसिले में एक शख्स को गिरफ्तार किया गया है। उत्तरी मैमेंसिंग जिले के तहत हलुआघाट पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी (ओसी) अबुल खैर ने बताया कि गुरुवार रात को उपद्रवियों ने शाकुआई क्षेत्र के एक मंदिर में निर्माणाधीन दो मूर्तियों को तोड़ दिया था। इसी को लेकर एक 37 साल के व्यक्ति अजहरुल को गिरफ्तार किया है। बता दें कि बांग्लादेश में कई महीनों से तनाव का माहौल है। हालात ऐसे हो गए थे कि इस साल पांच अगस्त को शेख हसीना को पीएम पद से इस्तीफा देना पड़ा और देश छोड़कर भागना पड़ा। इसके बाद हिंदू इस हिंसा की चपेट में आने लगे। अक्तूबर के महीने में चटगांव में हजारों बांग्लादेशी हिंदुओं ने अपने अधिकार और सुरक्षा की मांग को लेकर सड़कों पर प्रदर्शन किया था। यहां 17 करोड़ की आबादी का केवल आठ प्रतिशत हिंदू हैं। पांच अगस्त से नवंबर तक 50 जिलों में 200 से अधिक हमले हो चुके हैं। वहीं, भारत के पड़ोसी देशों में अल्पसंख्यकों की हालत किसी से छिपी नहीं हुई है। इस साल पाकिस्तान से ज्यादा बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के अधिक केस हुए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद यहां इन हिंसक घटनाओं में तेजी से इजाफा हुआ है। शुक्रवार को विदेश मंत्रालय ने पड़ोसी राज्यों में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के चौंकाने वाले आंकड़े पेश किए थे। विदेश मंत्रालय ने बताया था कि पड़ोसी देश बांग्लादेश में आठ दिसंबर 2024 तक हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के 2,200 मामले सामने आए। वहीं, इसी अवधि के दौरान पाकिस्तान में भी ऐसे 112 मामले सामने आए।

संक्षिप्त समाचार

जर्मनी में भयानक हमला, मचा मौत का तांडव

क्रिसमस से पहले जर्मनी में बड़ा हमला हुआ है। संदिग्ध ने भीड़ को कार से कुचल दिया है। जिसमें दो लोगों की मौत हो गई है और 50 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। पुलिस ने संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। आरोपी सऊदी अरब मूल का बताया जा रहा है। 2006 से ये डॉक्टर जर्मनी में रह रहा है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि ये कोई हमला था, साजिश थी या हादसा हुआ था। पुलिस की तफ्तीश इस मामले को लेकर तेज हो गई है। पुलिस ने कहा कि व्यापक जांच करते समय बाजार बंद कर दिया गया था। प्राधिकारियों ने इसे जानबूझकर किया गया हमला बताया है। घटना शाम करीब सात बजे हुई जिसके बाद कार चालक को तत्काल गिरफ्तार कर लिया गया। घटना के वक्त बाजार में काफी भीड़ थी। प्रकाशित तस्वीर में संदिग्ध को पुलिस सड़क के बीचों–बीच गिरफ्तार करते दिखाई दे रही है। अधिकारियों ने बताया इस घटना में एक वयस्क और एक बच्चे की मौत हो गई वहीं 15 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना से पूरा शहर स्तब्ध है और इसने क्रिसमस के जश्न के बीच लोगों के दिलों में गहरा दुख और भय की भावना भर दी है। सैक्सोनी–एनहाल्ट राज्य की गृह मंत्री तमारा ज़ीशैंग ने संवाददाताओं को बताया कि संदिग्ध व्यक्ति सऊदी अरब से है और पेशे से चिकित्सक है जो 2006 में जर्मनी आ गया था। उन्होंने बताया कि वह मैगडेबर्ग से लगभग 40 किलोमीटर दक्षिण में बर्नबर्ग में चिकित्सकीय सेवाएं देता है। सैक्सोनी–एनहाल्ट के गवर्नर रीनर हसेलॉफ ने संवाददाताओं से कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि आरोपी ने अकेले ही घटना को अंजाम दिया है।

इमरान खान ने सविनय अवज्ञा आंदोलन की धमकी दी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने एक बार फिर विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। इस बार यह सविनय अवज्ञा आंदोलन होगा। इमरान खान ने पाकिस्तानी प्रवासियों से कहा कि यदि रविवार तक उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं तो वे पाकिस्तान में धनराशि भेजने का बहिष्कार करें। इमरान की पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) ने अपने सर्वोच्च नेता की रिहाई की मांग को लेकर 2023 और 2024 के दौरान कई विरोध प्रदर्शन शुरू किए हैं, जिनमें से सबसे हालिया विरोध प्रदर्शन नवंबर 2024 में हुआ था।

आयरन डोम भी हुआ फेल, इजरायल के तेल अवीव में हूतियों का ड्रोन अटैक

यमन के ईरान समर्थक हूती विद्रोहियों ने इजरायल से जोरदार बदला लिया है। हूतियों ने इजरायल के बेहद अहम शहर तेलअवीव में सफल बलिस्टिक मिसाइल हमला किया है। इज़राइल की सेना ने कहा कि प्रक्षेप्य तेल अवीव के दक्षिणी जाफ़ा क्षेत्र में गिरा और कहा कि यमन से एक मिसाइल को रोकने के प्रयास मध्य इज़राइल में सायरन बजने के तुरंत बाद विफल हो गए। इजरायल अब तक आयरन डोम और एरो–3 जैसे एयर डिफेंस सिस्टम का इस्तेमाल करके इन मिसाइलों को हवा में मार गिराता था।

इसमें कहा गया है कि क्षेत्र में एक गिरे हुए प्रक्षेप्य की पहचान की गई है। इज़राइल की मैगन डेविड एडोम (एमडीए) आपातकालीन सेवा ने कहा कि पास की इमारतों में टूटे कांच के टुकड़ों से कम से कम 16 लोग मामूली रूप से घायल हो गए। इसके अलावा, 14 पीड़ितों को आश्रय की तलाश में लगी मामूली चोटों के लिए इलाज किया गया, साथ ही साथ घबराए हुए पीड़ितों का भी इलाज किया गया। इज़राइल का दूसरा सबसे बड़ा शहर, तेल अवीव देश का वाणिज्यिक और राजनयिक केंद्र है। इसकी व्यापक हवाई सुरक्षा के कारण, तटीय शहर पर दागे गए प्रोजेक्टाइल से सीधे प्रहार दुर्लभ हैं। पिछले साल अक्टूबर में गाजा में हमास के साथ इजरायल का युद्ध शुरू होने के बाद से, देश लेबनान में हिजबुल्लाह और यमन में हौथिस, दोनों ईरान समर्थित आतंकवादी समूहों, साथ ही ईरान से मिसाइलों और रॉकेटों की चपेट में आ गया है। लगभग सभी प्रक्षेप्यों को इज़राइल की वायु रक्षा द्वारा रोक दिया गया है। इजराइल की गाजा की घेराबंदी और बमबारी के कारण हजारों लोग मारे गए और मानवीय तबाही हुई, जबकि लेबनान पर इसके हमलों में लगभग 4,000 लोग मारे गए। हाउथिस ने महीनों तक दुनिया के सबसे व्यस्त जलमार्गों में से एक, लाल सागर में जहाजों को निशाना बनाया है, इन हमलों को गाजा में युद्ध की प्रतिक्रिया कहा जाता है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

जर्मनी में क्रिसमस बाजार में लोगों की भीड़ पर चढ़ाई कार, चालक गिरफ्तार

पूर्वी जर्मनी के मैगडेबर्ग शहर में शुक्रवार को एक क्रिसमस बाजार में कुछ लोगों पर कार चढ़ाने वाले चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। जर्मन समाचार एजेंसी 'डीपीए' ने कुछ सरकारी अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने के बारे में अभी कोई सूचना नहीं है। बर्लिन में 19 दिसंबर, 2016 में एक इस्लामी आतंकी हमलावर ने क्रिसमस में खरीदारी कर रहे लोगों की भीड़ पर ट्रक चढ़ा दिया था जिसमें 13 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे।

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/239ए,करेलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।